दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 147
मुरादाबाद
(Thursday)
18 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सेवा पखवाड़ाः CM योगी ने पीएम मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

नेतन्याहू, पुतिन-अल्बानीज और मेलोनी से लेकर बिल गेट्स और सुनक तक, दुनियाभर से पीएम मोदी को मिली बधाई

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर दुनियाभर के नेता उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और भूटान के प्रधानमंत्रियों ने जहां पीएम मोदी को बधाई दी है और उनकी नेतृत्व क्षमता की तारीफ की है। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पीएम मोदी को बधाई दे चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपना 75वां जन्मदिन मना रहे हैं। पीएम मोदी के जन्मदिन पर दुनियाभर से बधाई संदेश आ रहे हैं। कई देशों के नेताओं ने पीएम मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं और उनके लंबे और सुखमय जीवन की कामना की। कुछ नेताओं ने पीएम मोदी की बौद्धिकता और उनकी नेतृत्व क्षमता को सराहा। ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने जारी किया वीडियो संदेश ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा, %मेरे मित्र प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ऑस्ट्रेलिया को भारत के साथ इतनी गहरी दोस्ती पर गर्व है और हम ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के अविश्वसनीय योगदान के लिए आभारी हैं। प्रधानमंत्री जी, मैं आपसे जल्द ही मिलने और हमारी दोस्ती व प्रगति के कई और वर्षों की कामना करता हूं।%प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर, इस्त्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, %प्रधानमंत्री मोदी, मेरे अच्छे दोस्त नरेंद्र, मैं आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं देता हूं। आपने अपने जीवन में भारत के लिए बहुत कुछ किया है, और हमने मिलकर भारत और इस्त्राइल की दोस्ती में बहुत कुछ हासिल किया है। मैं जल्द ही आपसे मिलने के लिए उत्सुक हूं ताकि हम अपनी साझेदारी और अपनी दोस्ती को और भी ऊंचाइयों पर ले जा सकें। जन्मदिन मुबारक हो, मेरे दोस्त।% न्यूजीलैंड के पीएम ने भी की जमकर तारीफ न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा, %नमस्कार, मेरे अच्छे मित्र प्रधानमंत्री मोदी। आपके 75वें जन्मदिन पर मेरी और न्यूजीलैंड के आपके सभी मित्रों की ओर से आपको बधाई। यह मील का पत्थर आपके नेतृत्व की बुद्धिमत्ता को दर्शाता है, क्योंकि आप 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना चाहते हैं। मैं इस बात को लेकर बहुत उत्साहित हूं कि न्यूजीलैंड इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत के साथ और अधिक साझेदारी करेगा, क्योंकि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि दोनों महान राष्ट्र वह सुरक्षा और समृद्धि प्राप्त करें जिसकी हमें चाहत है। मार्च में आपने मुझे जिस गर्मजोशी से मेरा आतिथ्य किया था, मैं उम्मीद करता हूं कि मैं भी न्यूज़ीलैंड में आपकी वैसी मेजबानी कर सकूंगा।%प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर, इस्त्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, %प्रधानमंत्री मोदी, मेरे अच्छे दोस्त नरेंद्र, मैं आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं देता हूं। आपने अपने जीवन में भारत के लिए बहुत कुछ किया है, और हमने मिलकर भारत और इस्त्राइल की दोस्ती में बहुत कुछ हासिल किया है। मैं जल्द ही आपसे मिलने के लिए उत्सुक हूं ताकि हम अपनी साझेदारी और अपनी दोस्ती को और भी ऊंचाइयों पर ले जा सकें। जन्मदिन मुबारक हो, मेरे दोस्त।% न्यूजीलैंड के पीएम ने भी की जमकर तारीफ न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा, %नमस्कार, मेरे अच्छे मित्र प्रधानमंत्री मोदी। आपके 75वें जन्मदिन पर मेरी और न्यूजीलैंड के आपके सभी मित्रों की ओर से आपको बधाई। यह मील का पत्थर आपके नेतृत्व की बुद्धिमत्ता को दर्शाता है, क्योंकि आप 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना चाहते हैं। मैं इस बात को लेकर बहुत उत्साहित हूं कि न्यूजीलैंड इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत के साथ और अधिक साझेदारी करेगा, क्योंकि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि दोनों महान राष्ट्र वह सुरक्षा और समृद्धि प्राप्त करें जिसकी हमें चाहत है। मार्च में आपने मुझे जिस गर्मजोशी से मेरा आतिथ्य किया था, मैं उम्मीद करता हूं कि मैं भी न्यूज़ीलैंड में आपकी वैसी मेजबानी कर सकूंगा।%मॉरीशस के पीएम ने भी दी बधाई प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने कहा, %मुझे उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए बहुत खुशी हो रही है। हम चाहते हैं कि वे स्वस्थ रहें और इस देश का नेतृत्व कर सकें जैसा कि वे कर रहे हैं।% इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने भी दी जन्मदिन की बधाई इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी पीएम मोदी के साथ वाली तस्वीर साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा कि %भारत के प्रधानमंत्री को 75वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। इस चित्र प्रदर्शनी में पीएम मोदी के बाल्यकाल से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक के पूरे सफर को दर्शाया गया है। बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक भारतीय जनता पार्टी विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से सेवा पखवाड़ा मनाएगी। इसकी शुरुआत बुधवार से हो गई।सीएम ने प्रदेशवासियों की ओर से पीएम को दी बधाई अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी को 25 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। कहा कि आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत का दर्शन कर रही है। जो, भारत कभी पिछलग्गू माना जाता था, लेकिन आज अपने आत्मविश्वास से दुनिया को प्रेरित कर रहा है। 11 वर्षों में अर्थव्यवस्था, विरासत, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, नियुक्तियां, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि विकास, जल संसाधन जैसे तमाम क्षेत्रों में नए प्रतिमान स्थापित हुए हैं। गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाएं, दलित और वंचित समाज को प्राथमिकता देने की वजह से हर नागरिक के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। धार्मिक स्थलों का हुआ कायाकल्प सीएम ने आगे कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों के बाद रामलला का भव्य मंदिर बना। काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण वैश्विक जगत को आकर्षित कर रहा है। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम का कायाकल्प हुआ है। महाकाल लोक का निर्माण और अन्य धार्मिक स्थलों का सुंदरीकरण नए भारत की पहचान बन चुके हैं। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, संत रविदास, महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों की स्मृतियों से जुड़े अनेक रचनात्मक कार्य किए गए हैं, जो सामाजिक न्याय और सामाजिक उत्थान की दिशा में मील का पत्थर साबित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पूरी दुनिया महामारी के सामने असहाय थी, तब भारत ने सबसे बेहतरीन कोविड प्रबंधन का उदाहरण प्रस्तुत किया। जहां 100 वर्षों में कोई वैक्सीन भारत तक नहीं पहुंच पाई, वहीं मोदी के नेतृत्व में सिर्फ 9 महीनों में कोविड वैक्सीन विकसित की गई। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा पखवाड़ा का पहला चरण स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान है। इसके अंतर्गत महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, पोषण संबंधी कार्यक्रम और जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा हर जिले में रक्तदान शिविर आयोजित कर रहा है। आने वाले दिनों में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, पीएचसी, सीएचसी, जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य शिविर तथा जांच से जुड़े कार्यक्रम होंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश-ये सभी आपस में जुड़े हुए लक्ष्य हैं।

संक्षिप्त समाचार

कुछ लोग कहते थे भारत-पाक संघर्ष उन्होंने रुकवाया, अब पता चल गया न, इशाक डार के बयान पर राजनाथ सिंह

इशाक डार ने कहा है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान उनसे कहा था कि भारत ने युद्ध विराम के लिए तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार कर दिया, क्योंकि यह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मुद्दा है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बयान में कहा कि किसी के हस्तक्षेप के कारण आतंकवादियों के खिलाफ अभियान स्थगित नहीं किया गया। राजनाथ सिंह ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर बिना नाम लिए निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने का दावा करते हैं। लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। अब तो खुद पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया है कि भारत ने इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को अस्वीकार कर दिया था।राजनाथ सिंह बोले- तीसरे पक्ष का कोई हस्तक्षेप नहीं हैदराबाद में आयोजित %हैदराबाद मुक्ति दिवस% के कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि %कुछ लोग भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने का दावा करते हैं। लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत ने इसमें किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को स्वीकार नहीं किया।किसी के हस्तक्षेप के कारण आतंकवादियों के खिलाफ अभियान स्थगित नहीं किया गया। भविष्य में कोई भी आतंकवादी हमला हुआ तो ऑपरेशन सिंदूर फिर से शुरू किया जाएगा।

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप, कहा- कर्नाटक को मांग के मुताबिक नहीं दी खाद, किसान परेशान

कांग्रेस ने कर्नाटक में उर्वरक की आपूर्ति को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त उर्वरक की आपूर्ति नहीं की है। इससे किसानों को परेशानी हो रही है।कांग्रेस ने कर्नाटक में उर्वरक की आपूर्ति को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त उर्वरक की आपूर्ति नहीं की है। इससे किसानों को परेशानी हो रही है।केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे पत्र में सुरजेवाला ने कहा कि कर्नाटक में इस साल मानसून समय से पहले आ गया है। वर्षा सामान्य से लगभग तीन प्रतिशत अधिक रही है। इसके परिणामस्वरूप बुवाई का मौसम उम्मीद से पहले शुरू हो गया है। वर्ष 2025-26 के लिए राज्य ने 114.40 लाख हेक्टेयर में बुवाई का लक्ष्य रखा है, जिससे 160.68 लाख टन खाद्यान्न और तिलहन का उत्पादन होगा।उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन के लिए बुवाई का लक्ष्य 82.50 लाख हेक्टेयर था, जिसमें से 81.85 लाख हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है। सुरजेवाला ने कहा कि खरीफ सीजन के दौरान विभिन्न रासायनिक उर्वरकों की अनुमानित मांग 26.77 लाख मीट्रिक टन है। जबकि यूरिया उर्वरक की 3.36 लाख मीट्रिक टन की कमी है।कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि राज्यों को उसकी जरूरत के अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की एकमात्र जिम्मेदारी है। दुर्भाग्य से केंद्र सरकार ने कर्नाटक की मांग के अनुपात में उर्वरकों की आपूर्ति नहीं की है। अप्रैल से सितंबर 2025 तक कर्नाटक को मिलने वाला 3.36 लाख मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक अभी भी लंबित है। उन्होंने कहा कि केंद्र से आपूर्ति में इस कमी के कारण राज्य को उर्वरकों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस वर्ष यूरिया की आपूर्ति लगभग 50 प्रतिशत कम हो गई है। कांग्रेस नेता ने केंद्र से कहा कि वह कर्नाटक को देय यूरिया उर्वरक तुरंत जारी करे। सांसद ने यह भी बताया कि कर्नाटक के कृषि मंत्री एन चेलुवरायस्वामी ने इस संबंध में शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की थी और कर्नाटक को मिलने वाला 3.36 लाख मीट्रिक टन यूरिया जारी करने का अनुरोध किया था। सुरजेवाला ने कहा कि मैं केंद्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि कृपया इस अपील पर विचार करें और कर्नाटक के किसानों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

सीएम फडणवीस ने दिलाया भरोसा- नहीं बंद होगी लाड़की बहिन योजना, महिला सशक्तिकरण हमारा संकल्प

जरूरतमंद महिलाओं की आर्थिक मदद के लिए महाराष्ट्र की महायुति सरकार (भाजपा+शिवसेना+एनसीपी) ने लाड़की बहिन योजना चलाई है। इस योजना के तहत पैसे भेजे सीधे महिलाओं के बैंक खातों में जाते हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वस्त किया है कि यह योजना बंद नहीं की जाएगी। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को सरकार का संकल्प बताया है।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान स्पष्ट किया कि उनके नेतृत्व वाली सरकार अपनी लोकप्रिय स्कीम- %मुख्यमंत्री लाड़की बहिन योजना% बंद नहीं होगी। बता दें कि इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने ?1500 की आर्थिक सहायता मिलती है। उन्होंने कहा, विपक्षी दल अफवाहें फैला रहे हैं कि यह योजना बंद हो जाएगी। सरकार न केवल इस योजना को जारी रखेगी बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नई पहलें भी करेगी।महिलाएं बनेगीं %लखपति दीदी% फडणवीस ने कहा, सरकार का लक्ष्य %एक करोड़ लखपति दीदी% बनाने का है। महिलाएं हर साल कम से कम एक लाख रुपये कमाएंगी। सरकार महिलाओं को एक लाख तक बिना ब्याज का ऋण मुहैया कराती है। मुख्यमंत्री ने कहा, गांवों में महिलाओं के नेतृत्व में बनने वाली %क्रेडिट सोसाइटी% रोजगार सृजन का भी माध्यम बनेंगी।मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान% मुख्यमंत्री ने छत्रपति संभाजीनगर के फुलंब्री तालुका में राज्यव्यापी %मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान% की भी शुरुआत की। इस अभियान का मकसद हर गांव तक केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। सीएम ने कहा, दलितों और आदिवासियों के लिए योजनाएं लागू की जाएंगी। सरकार बेहतर प्रदर्शन करने वाले गांवों के बीच ?250 करोड़ के पुरस्कार वितरित करेगी।महाराष्ट्र के मॉडल गांव और विकास कार्य सीएम फडणवीस ने कहा, पहले %ग्राम समृद्धि अभियान% से कई मॉडल गांव बनाने में सफलता मिली। अब सरकार का लक्ष्य है कि 28,000 ग्राम पंचायतें और 40,000 गांव मॉडल गांव बनें। इसके लिए सरकारी फंड, सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) के साथ-साथ सरकार जनभागीदारी पर जोर दिया जाएगा।रोजगार और आधारभूत ढांचे पर सरकार का जोर रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मनरेगा को अन्य सरकारी योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा। गांव स्तर पर आंगनवाड़ी, सड़कें, पानी की टंकियां, नालों की गहराई बढ़ाने जैसे काम किए जाएंगे। गांवों में 17 प्रकार के व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए ग्राम स्तरीय सोसाइटियां भी बनाई जाएंगी।मराठवाड़ा क्षेत्र पर फोकस छत्रपति संभाजीनगर के इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के मंत्री संजय शिरसाट ने मराठवाड़ा क्षेत्र के लंबित प्रोजेक्ट पूरे करने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा, यह क्षेत्र सूखे से प्रभावित और पिछड़ा माना जाता है, इसलिए विशेष पैकेज दिया जाए।

संपादकीय Editorial

The sky is not closed

The exploitation of Himachal's potential kept jumping in government's wings, but it was not decided how to open the sky. Many skies of your city are closed, you did not look up even after stumbling on the ground. We, with the hope of heaven in government processes, could not decide that the dream is changing in every house. The dreams of the whole world, the country and our neighboring states have changed, and even our youth who are a part of their dreams are migrating. A good decision has been taken regarding school education that CBSE's curriculum will be implemented in about two hundred schools of the state. It is surprising that the employees' union of Himachal School Education Board is opposing such decisions. Of course, Himachal School Board could also have done a lot to achieve the basis of quality and the real objective of education, but its eyes did not go beyond the pattern of annual examinations. If the government is going to hand over two hundred schools to CBSE by selecting them, then Himachal Education Board can also take a decision to make two dozen of these schools ideal models of modern education. If the education board had done something in the last ten years in terms of qualitative improvement, then there would not have been an exodus from government schools to private schools. This is a problem of every institution in the public sector. Actually, the public sector will have to change its ways and adopt the work culture of the private sector. If we had analysed the capacity of big industrial areas like BBN, then the production growth would have increased. While determining the industrial areas, did we decide which land is necessary for the Himachali sky there? Did the chain of education and training that started from polytechnic schools and colleges reach the industrial cities or did it remain registered in some employment office? How many meetings did various departments hold on how today's youth in Himachal should adopt self-employment for their future or how the future of the state can be improved with Himachali investment? What and to what extent can a Himachali contribute to the economic development of the state, was there any tradition of thinking about this? If we take tourism for example, did our education set examples on tourism economy, investment or employment? If we had properly inculcated the subject of history in the veins of tourism, then many sleeping villages and towns would have woken up in the role of tourist guides. For example, if trained tourist guides truly deliver on the tourism sales pitch of Sujanpur Tihra, Purana Kangra, Chamba-Mandi, Nahan, Shimla and many other historical and heritage areas, then the basis of tourist satisfaction will be strengthened. At any tourist place, you will find a taxi driver, porter or guide booking rooms in a private hotel, but there are no columns of information about government hotels. The market should be familiar with the economic, geographical, cultural, business, food, traditional and music-related features of every district, but we have exported employment to the market beyond our capacity. Be it Sundernagar or any tourist passing through the highways and food markets of tourist places in the state, if you ask them, you will find people from outside states selling Siddu, Momo or Burger there. The benefits of hotel construction in Himachal go to the properties taken on lease by outsiders. If every government school is run by a manager, then the goals will also be clear. If hospitals are run by a manager with MBA skills instead of seniority of doctors, then the working of X-ray, CT scan and MRI machines will change. If the burden of government properties becomes profitable.

Initiative to simplify tax system, historic step for economic progress

By thoughtfully rationalizing tax rates and increasing domestic purchasing power through extensive structural and process reforms, GST 2.0 will strongly boost consumption, industrial growth and the overall economy. It will also act as a decisive catalyst for an inclusive and self-reliant India that is helpful in promoting economic momentum in the current geopolitical environment. The journey of Goods and Services Tax (GST) has been transformative. Critics also tried to dismiss this system introduced in 2017 by calling it 'Gabbar Singh Tax' and accused it of burdening both citizens and businesses. In fact, the real 'Gabbar Singh Tax' was the chaotic system before GST. A fragmented web of excise duty, VAT and service taxes had led to inefficiency and increased costs. Before the implementation of GST, trucks used to be stranded at state borders, small companies were entangled in multiple filings and consumers had to pay the price for it. GST replaced it with a unified tax system in the country, reducing taxes on essential goods and creating a more rational structure. Now with GST 2.0, India has taken a decisive step forward, streamlining tax slabs and cutting rates. Initially, GST had four slabs (5, 12, 18, 28 per cent). This was done to build a consensus among states that were not willing to bear the potential revenue loss under the new system. This compromise helped India enter the GST era, but it also gave rise to complexity and controversies, which were contrary to GST's original philosophy of simplicity. GST 2.0 represents a natural reform. It provides for two main slabs (5 and 18 per cent) and a tax rate of 40 per cent for luxury and demerit goods. This reform is also timely. Global uncertainties and tariff wars are creating hurdles for businesses. By reducing compliance burdens and working capital constraints, and easing tax rates in mass consumption and labour-intensive sectors, GST 2.0 provides supply-side support exactly when firms need it. Along with other structural reforms, GST 2.0 is part of a broader effort to establish India as a competitive and stable manufacturing base amid global volatility. Everyday essentials and mass consumption items have come under a five per cent tax bracket, while key industrial inputs come under an 18 per cent tax bracket, reducing costs for both households and firms. Over 33 life-saving drugs have been made completely tax-free, along with staples such as milk, paneer and chapati. Taxes on automobiles, cement and electronics have been drastically reduced, which will boost sectoral growth. Implementation ahead of the festive season also ensures maximum impact on household spending. SBI Research estimates that the average effective GST rate has now come down to around 9.5 per cent from the initial 14.4 per cent. Out of the 453 items whose rates have been changed under GST 2.0, tax on 413 (91 per cent) items has been reduced, and tax rate on about 295 items has been reduced from the earlier 12 per cent to 5 per cent or zero, which is a decisive step towards providing relief to households. The total additional gross demand due to GST reforms is estimated to reach Rs 1.98 lakh crore. The total additional demand with concurrent income tax reforms could reach Rs 5.31 lakh crore, which will add about 1.6 per cent to GDP. This could potentially take GDP growth to 6.5 per cent in FY 2025-26 and 7 per cent in FY 2026-27. Apart from rate cuts, GST 2.0 also focuses on improving the way the tax system works. Registration has been automated, refund processing has been made faster and temporary input credit has been allowed, thereby reducing pressure on working capital for enterprises. Long-standing issues such as inverted duty structure have also been resolved, providing relief to sectors that were earlier facing cost disadvantages. The paperwork burden for MSMEs has been reduced. Reform is a continuous process. GST itself was a reform over the fragmented system before 2017 and GST 2.0 is another step towards simplicity and fairness. As compliance builds, policy reforms will be further enhanced. GST 2.0 is a historic step towards creating a simplified, more fair and growth-oriented indirect tax system in India. By thoughtfully rationalizing tax rates and increasing domestic purchasing power through extensive structural and process reforms, GST 2.0 will strongly boost consumption, industrial growth and the overall economy. It will also act as a decisive catalyst for an inclusive and Aatmanirbhar Bharat, which is helpful in promoting economic momentum in the current geopolitical environment.

There is a well on one side and a ditch on the other, neither Trump nor China can be trusted

Two poles have been formed regarding the kind of order the world should have. On one side is America, whose leader Trump is rejecting the rules made by his own country. On the other side is China, which talks about a rule-bound and just system but is doing the opposite in its conduct. The system that Trump broke was not based on equality and justice, so India wanted a change. These days the annual session of the United Nations General Assembly is going on. The UN was established to maintain peace and security in the world, solve economic, social and human challenges through multilateral cooperation and protect human rights. Western countries call it a rule-bound system whose promoter and patron was America. In its 80 years, the UN has done many notable works like ending colonialism, maintaining peace, controlling epidemics, promoting free trade and maintaining order in the seas. However, it was able to protect the sovereignty and integrity of countries only with the help of America and even that could not be done during the days of the Cold War. Due to the lack of interest of America, neither India could get the Kashmir occupied by Pakistan and China nor the Palestinians could get their country. America did act arbitrarily in Vietnam, Iraq and Afghanistan, but the reality is that without its power, it would not have been possible for the United Nations to achieve as much as it did. Despite its arbitrariness, America got immense advantage of prestige and dominance by protecting the UN's rule-bound system, due to which the last century is called America's century. Nevertheless, as soon as President Trump came to power, one by one he withdrew from organizations like the United Nations' Paris Climate Treaty, World Health Organization, UNESCO and United Nations Human Rights Council and also stopped the American relief organization US Aid. Being 26 percent of the world's economy, America contributes the most to all these organizations. Its withdrawal has badly affected the world's ability to face the climate crisis and the outbreak of epidemics. It has also become difficult to achieve the goals of health, education, poverty and inequality elimination. The biggest blow from Trump's policies has been to the world trade system. The supply routes that were created and the economic progress that took place in the last fifty years due to free trade and globalization, with the help of which crores of people came above the poverty line, that entire system has been shattered. Seeing the speed at which Trump is issuing arbitrary orders and going back on his own statements, the President of the European Commission, Ursula van der Leyen, America's ally, has had to write in her report, 'The world order is now beyond reform, so Europe should get ready for a jungle rule.' The reason for reaching this conclusion are those events, which no one could have even imagined till a year ago. The patron of the UN, America, told its friendly country Denmark to hand over Greenland to us, otherwise we will snatch it. The World Trade Organization has been made irrelevant by America itself with its arbitrary tariff policies. The Security Council is not able to pass any resolution to stop the war in Ukraine and Gaza. There is no consensus on the proposal to provide humanitarian relief to Gaza either. America is supporting Russia in the UN voting. Instead of taking any action against Russia for the Russian attack or China, which buys the most oil from it, tariffs are being imposed on India and the Ukraine war is being called Modi's war. Europe is being asked to impose 100 percent tariffs on India and China. It is clear that the system which was considered rule-bound has become ruleless and has broken down. Trump's critics are also shocked and are saying that in the history of foreign policy, they have not seen any leader playing Holi with the interests of his country in this way. China, which has become powerful due to the blessings of America, sensing the opportunity, organized the biggest summit in the history of the Shanghai Cooperation Organization just before the session of the General Assembly. In this, it announced its new 'Global Governance Initiative' in front of the heads of state of 24 countries including Russia and India. Its foundation rests on five principles. Equality in sovereignty, adherence to international rules, multilateral behavior, people-oriented approach and focus on concrete actions. In theory, all these things are very good to present China as a champion of stability, cooperation and peace in the era of instability caused by Trump, but China's expansionist activities on the Indian border in Tibet regarding Taiwan and in the South China Sea have been contrary to these principles. Just as the basic goal of SCO is to curb terrorism, but China has always raised objections to the proposal to declare Pakistani terrorists and their organizations as terrorists. Two poles have been formed regarding the kind of system there should be in the world. On one side is America, whose leader Trump is rejecting the rules made by his own country. On the other side is China, which talks about a rule-bound and just system, but is doing the opposite in practice. The system that Trump broke was not based on equality and justice, so India wanted a change. The system proposed by China is better, but China cannot be trusted to implement it. Therefore, India will have to maintain a subject-based relationship with China while being cautious and will have to make efforts to improve relations with America. Since now the neighbors are very close to each other, India will have to make a subject-based relationship with China. The world has become stronger, therefore we will have to work on our military and economic power as well.

रेलवे ट्रैक के किनारे झाड़ियां में युवक की सिर कटी लाश मिलने से मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद जिले के थाना भोजपुर के ग्राम सेहल में शुक्रवार से गायब युवक की सिर कटी लाश रेलवे ट्रैक की झाड़ियां में पड़ी मिली। जिससे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम के साथ जांच पड़ताल कर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव चकरपुर पूरनपुर निवासी इस्तेकार (20) पुत्र जुल्फिकार शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के बाद परिजनों को बिना बताए कहीं चला गया था। परिजनों ने आसपास के गांवों व रिश्तेदारियों में तलाश किया लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। मृतक के परिजनों ने थाना भोजपुर में युवक की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मंगलवार की शाम को सेहल के पास रेलवे ट्रैक की झाड़ियां में इस्तेकार की सिर कटी लाश पड़ी मिली। सूचना मिलते ही परिजन सहित ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे, जहां पर उन्होंने युवक के शरीर और कपड़ों से शव की शिनाख्त की। बेटे की मौत का समाचार सुनकर पिता जुल्फिकार, भाई सुहैल, बहन मोहसीना, बब्बो और हीना का रो रोकर बुरा हाल था। पुलिस ने युवक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

विदेश भेजने के नाम पर ठगे 25 लाख, फिर पंचायत में खुलेआम दी धमकी

मुरादाबाद – कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बगिया करमचा निवासी जगप्रीत सिंह ने पुलिस अधीक्षक के लिए एक शिकायत पत्र भेजा। पत्र में बताया कि जिला बरेली स्थित थाना बहेड़ी के एक गांव निवासी दो युवक और जिला शाहजहांपुर के एक गांव निवासी एक युवक उसके परिचित हैं। तीनों युवक 25 अक्टूबर 2023 को उसके घर आए। उससे कहा कि वह विदेश जाना चाहे तो उसे अमेरिका या कनाडा भिजवा सकते हैं। उन लोगों ने दावा किया कि वह 50 से अधिक लोगों को विदेश भेज चुके हैं। उसे झांसा दिया कि 25 लाख रुपये का इंतजाम होने पर वह विदेशी एजेंट से कहकर 6 या 7 महीने के अंदर वीजा दिलवा देंगे। कुछ दिनों बाद वह तीनों 1 नवंबर 2023 को अपने साथ एक महिला और एक पुरुष को लेकर कार से उसके घर पहुंचे। उन्होंने बताया कि महिला और पुरुष कनाडा में रहते हैं। दोनों इस समय भारत आए हुए हैं। उसी दिन सभी उसके घर पर रुके। उनकी बातचीत से प्रभावित होकर उसे उनकी बात पर विश्वास हो गया। उसने उन लोगों के खाते में 10 लाख 40 हजार रुपये जमा कर दिए। शेष रकम वीजा मिलने पर देने का वादा हुआ। कई महीने बीत जाने के बाद भी उसे वीजा नहीं भिजवाया। उसने उन लोगों से वीजा दिलाने के लिए कहा तो वह टालमटोल करते रहे। इसके बाद उसे उन पर शक हुआ। उसने अपने रुपए वापस मांगे।लोगों ने 50-50 हजार रूपये के दो चेक उसे दे दिए। उसने बैंक में चेक जमा किए तो पता चला खाते में रुपए ही नहीं है। जब वह उन लोगों के पास पहुंचा तो उन्होंने 10 हजार रूपये उसके खाते में ट्रांसफर कर दिए। लेकिन अन्य रुपए नहीं दिए। उसके कहने पर गांव में 10 सितंबर को पंचायत हुई। पंचायत में उन लोगों ने रुपए वापस नहीं करने और जान से मारने की उसे धमकी दी। पीड़ित ने आशंका जताई कि वीजा बनाने के नाम पर उन लोगों ने जो प्रमाण पत्र और कागजात की फोटो कापी उससे ली है उनका दुरुपयोग कर सकते हैं। उसने कोतवाली में तहरीर दी लेकिन पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से ठगी किए गए रुपए वापस दिलाने और आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है।

जंगल में लड़की का रेप, फिर वीडियो किया था वायरल, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुरादाबाद – रामपुर कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो वायरल करने के आरोप में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, वहां से कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया। मामला 13 सितंबर का है। आरोपी राजकुमार एक युवती को डरा-धमकाकर अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाया और जंगल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। आरोपी ने घटना का वीडियो बनाकर पीड़िता को ब्लैकमेल किया और बाद में नया मोबाइल नंबर लेकर यह वीडियो पीड़िता के पिता और मोहल्ले के एक युवक के फोन पर भेज दिया। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया था।15 सितंबर को आरोपी राजकुमार को तेलीपुरा स्कूल के पास अकाल एकेडमी के नजदीक से गिरफ्तार करने के बाद कार्रवाई कर दी है।

बोरे में मिली नवजात को मिली नई जिंदगी, अब जाएगी दत्तक गृह

मुरादाबाद – जिंदगी की जंग जीतने वाली मासूम बच्ची, जो 20 अगस्त को कटघर थाना क्षेत्र के देहरी गांव में बोरे में बंद मिली थी, अब पूरी तरह स्वस्थ होकर नई जिंदगी की ओर बढ़ चली है। मंगलवार को जिला महिला अस्पताल के सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) से बच्ची को डिस्चार्ज कर दिया गया। एसएनसीयू प्रभारी की निगरानी में उसे चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम को सौंपा गया। चाइल्ड लाइन सुपरवाइजर शाहनवाज आलम और केस वर्कर अंजू ने बताया कि बच्ची को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के निर्देश पर दत्तक गृह भेजा जाएगा। वहां से आगे उसकी एडॉप्शन (गोद लेने) की प्रक्रिया पूरी होगी। यानी अब इस बच्ची के लिए एक नया परिवार और सुरक्षित भविष्य तय किया जाएगा। बच्ची जब अस्पताल लाई गई थी तो उसकी हालत बेहद गंभीर थी। बोरे में बंद रहने के कारण उसका शरीर ठंडा पड़ रहा था और सांसें धीमी थीं। महिला अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद पीडियाट्रिशन डॉ. प्रतीक ने तुरंत इलाज शुरू किया। अगले दिन से उसकी देखभाल की जिम्मेदारी डॉ. सना और डॉ. किरन पांडे व उनकी टीम ने संभाली। शुरुआत में बच्ची दूध भी नहीं पी पा रही थी, फीडिंग ट्यूब के सहारे पोषण दिया गया। स्टाफ नर्सों ने रात-दिन देखभाल कर उसे नया जीवन दिया। धीरे-धीरे हालत सुधरने लगी और पिछले हफ्ते बच्ची हर दो घंटे में खुद दूध पीने लगी। सभी पैरामीटर सामान्य होने के बाद डॉक्टरों ने डिस्चार्ज करने का निर्णय लिया।

मुरादाबाद में हादसा: पेड़ों की छंटाई करते हुए लगा करंट, तीन विद्युतकर्मी घायल, नहीं पहने थे सुरक्षा उपकरण

मुरादाबाद में काम करते समय करंट लगने से तीन कर्मी जख्मी हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोप है कि काम करने के दौरान उन्हें सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं करवाए गए थे। दिल्ली रोड पर बिजली के तारों के पास से पेड़ों की छंटाई करते हुए करंट लगने से तीन विद्युत कर्मी घायल हो गए। करंट का तेज झटका लगने से तीनों बेहोश हो गए, उन्हें विवेकानंद अस्पताल में भर्ती करिया गया है। तीनों को दो घंटे बाद होश आया।अब उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे संविदा लाइनमैन ओम सिंह, विक्रम और टेक्नीशियन सुरेंद्र सिंह नगर वन बिजलीघर के पीछे पेड़ों की छंटाई कर रहे थे। वहां से चार हाईटेंशन लाइन गुजर रही हैं और एक डेड लाइन भी है।उन्होंने 33 केवी की तीन हाईटेंशन लाइनों का शटडाउन ले लिया लेकिन 11 केवी की लाइन में करंट चालू था। पेड़ की कटी हुई शाखा जैसे ही डेड लाइन पर गिरी तो तार टूटकर 11 केवी की लाइन से छू गया। इससे तेज धमाका हुआ और करंट लगने से तीनों बिजली कर्मी बेहोश हो गए। राहगीरों ने उन्हें नीचे उतारा और बिजलीघर को सूचना दी। इसके बाद विद्युतकर्मी मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस बुलाकर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। संविदा विद्युत कर्मचारी संघ के अध्यक्ष उमेश चंद ने बताया कि ठेकेदार ने अस्पताल में आकर संविदा कर्मियों के इलाज की प्रक्रिया पूरी कराई। साथ ही एक्सईएन ने मौके पर पहुंचकर इलाज में आने वाले खर्च के लिए परेशान न होने का आश्वासन दिया। डॉक्टरों का कहना है कि बुधवार शाम तक या बृहस्पतिवार सुबह तीनों कर्मचारियों को घर भेज देंगे। सुरक्षा उपकरण होते तो शायद न लगता करंट विद्युत निगम के स्टाफ ने बताया कि लाइन पर काम करते समय संविदा कर्मियों व टेक्निशियन ने सुरक्षा उपकरण नहीं पहन रखे थे। उन्होंने सोचा कि लाइन से शटडाउन ले लिया है इसलिए उपकरणों की जरूरत नहीं है। यही चूक इस हादसे का कारण बन गई। स्टाफ का कहना है कि गमीनत रही कि कोई कर्मचारी पेड़ से या सीढ़ी से नीचे नहीं गिरा, अन्यथा फ्रेक्चर का खतरा हो सकता था।

संक्षिप्त समाचार

1.65 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद – साइबर क्राइम थाना पुलिस ने व्हाट्सऐप लिंक के जरिए 1 करोड़ 64 लाख 96 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी का खुलासा करते हुए वाले दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन और 5,350 रुपये बरामद किए हैं। थाना गलशहीद में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में पीड़ित ने बताया था कि जियाना अरोड़ा नाम की महिला ने खुद को दिल्ली निवासी बताकर पिछले पांच साल से ट्रेडिंग करने की बात कही। अच्छे मुनाफे का लालच देकर व्हाट्सऐप पर लिंक भेजा और आईडी-पासवर्ड बनवाकर पीड़ित से 13 अलग-अलग बैंक खातों में 1.64 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए। मामले में थाना साइबर क्राइम पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।मंगलवार को हुई प्रेसवार्ता तें एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि साइबर क्राइम थानें में दर्ज मुकदमे का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने ट्रेडिंग का झांसा देकर एक व्यक्ति से लगभग 1.65 करोड़ रुपये हड़प लिए थे। पुलिस ने पीड़ित के विभिन्न खातों से ठगों द्वारा स्थानांतरित 36.79 लाख रुपये होल्ड कराए हैं, जिन्हें वापस दिलाने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस की पकड़ में आए आरोपियों ने अपने नाम नाजिम निवासी मियां कॉलोनी करुला थाना मझोला व स्थायी पता गांव दौलपुरी, थाना भगतपुर और खिलाफत निवासी वार्ड-13 नई बस्ती थाना कोतवाली जसपुर जनपद उधमसिंह नगर उत्तराखंड बताए है।पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि उनकी मुलाकात जसपुर निवासी नफीस और उसके बेटे वली से हुई थी। दोनों ने कम समय में ज्यादा पैसा कमाने का लालच दिया। इसी के तहत आरोपियों ने जीएसटी व एमएसएमई रजिस्ट्रेशन कराया और बैंक खातों को ठगी के लिए उपलब्ध कराया। नफीस व वली उन्हें दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड व यूपी के कई जिलों में अपने साथ लेकर गए। इस दौरान नाजिम व खिलाफत के बैंक खातों में करोड़ों का लेनदेन किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे उन्हें जेल भेज दिया गया।

टीईटी की अनिवार्यता के खिलाफ फिर गरजे शिक्षक

मुरादाबाद – रामपुर। शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों ने कलक्ट्रेट पहुंचकर फिर प्रदर्शन किया। इस दौरान शिक्षकों ने डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्रधानमंत्री से इस मामले में कार्रवाई की मांग की है। टीईटी की अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षक लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर शिक्षक कलक्ट्रेट पहुंचे।यहां सभी धरने पर बैठ गए। इस दौरान शिक्षकों ने टेट की अनिवार्यता को लेकर नाराजगी जाहिर की। कहा कि यह आदेश ठीक नहीं हैं। इसके बाद शिक्षकों ने डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन दिया। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन में शिक्षकों ने टीईटी की अनिवार्यता से मुक्ति दिलाने की मांग रखी। शिक्षकों ने कहा कि आरटीई एक्ट लागू होने की तिथि से पूर्व के शिक्षकों पर टेट थोपने जैसे अन्याय पूर्ण फैसले से व्यथित होकर बुंदेलखंड में अब तक दो शिक्षकों ने आत्महत्या कर ली। इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ रामपुर के जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह चौहान, जिला मंत्री चरन सिंह, जिला मीडिया प्रभारी मोहम्मद सईद सागर, डॉ. सरफराज अहमद, अमित सैनी, सईदुज्जफर रहमानी, अहसान खान, निदा खुशनुद, आसमा परवीन आदि मौजूद रहे। इस दौरान पेंशन एसोसिएशन जिला अध्यक्ष नरेंद्र पाल सिंह, माध्यमिक शिक्षक संघ, रसोइया संघ, ग्राम प्रधान संघ आदि ने समर्थन दिया

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

मुरादाबाद में एक घंटे में दो जगह मुठभेड़, गोकशी के छह आरोपी गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

मुरादाबाद – मुरादाबाद पुलिस ने गोकशी करने के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दो जगहों पर हुई मुठभेड़ में दो आरोपी जख्मी हुए हैं। उन्हें अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुरादाबाद जिले में मंगलवार की रात एक घंटे के भीतर दो जगह पुलिस और गोकशी के आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। भोजपुर के हमीरपुर के जंगल में तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। इनमें आरोपी वसीम उर्फ सद्दम और नूर मोहम्मद के पैर में गोली लगी है जबकि इनके तीसरे साथी हसनैन को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।पाकबड़ा थानाक्षेत्र में मंगलवार रात 11 बजे गोकशी के आरोपी सद्दाम और कल्लू उर्फ नासिर को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया। मुठभेड़ के दौरान दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने चारों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि एक सितंबर की रात पाकबड़ा थाना क्षेत्र में होंडा सिटी कार मिली थी जिसमें मीट लगा हुआ था। आरोपी मौके से भाग गए थे। इस मामले में कार के नंबर के जरिए कुंदरकी के मोहल्ला सादात पश्चिमी मो. शमी को मंगलवार सुबह गिरफ्तार किया गया था। उसने पूछताछ में अपने साथी कुंदरकी के सद्दाम और छजलैट के सराय खजूर निवासी कल्लू उर्फ नासिर के नाम बताए। आरोपी ने बताया कि दोनों उसके साथ कार में सवार थे। इसके बाद पाकबड़ा थाने की पुलिस इनकी तलाश में जुटी थी। इसके अलावा गोकशी की एक घटना तीन दिन पहले भोजपुर के सरदार नगर में हुई थी। इस मामले में पुलिस की ओर से अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। भोजपुर थाने की पुलिस मंगलवार की रात दस बजे आंवला घाट रोड पर मौजूद थी। इसी दौरान तीन व्यक्ति एक पशु को ले जाते दिखाई दिए। पुलिस ने घेराबंदी की उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस से फायरिंग की जिसमें पैर में गोली लगने से भोजपुर के पीपलसाना निवासी सद्दाम और लालूवाला निवासी नूर मोहम्मद मौके पर ही गिर गए। पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। इसके तीसरे आरोपी हसनैन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार रात 11 बजे पुलिस पाकबड़ा डींगरपुर मार्ग पर लालपुर गंगवारी चौराहे पर खड़ी थी। इसी दौरान एक बाइक पर दो व्यक्ति आते दिखाए दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उन्होंने पुलिस पर ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने घेराबंदी कर जवाबी फायरिंग की। इस दौरान सद्दाम के दाहिनी पैर और कल्लू उर्फ नासिर के बायी पैर में गोली लगी है। एसपी सिटी ने बताया कि दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

राज्यमंत्री ने किया स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जनपद पीलीभीत की तहसील अमरिया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में राज्यमंत्री कृषि,कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग उश्प्रश/प्रभारी मंत्री पीलीभीत बलदेव सिंह औलख द्वारा स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया गया।

राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर प्रबंधों और जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आमजन को इन शिविरों में अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए ताकि वे बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने इस अवसर पर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया। सेवा और जनकल्याण ही हमारे कार्य का आधार है। हम सबका कर्तव्य है कि जनसेवा को जीवन का उद्देश्य बनाकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास और सुविधा पहुँचाएँ। साथ ही सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्य अधिकारियों से यह अपील की वह सभी लोगों के साथ डॉक्टर या अधिकारी की जगह एक स्वास्थ्य सेवक बनकर उनकी सेवा करे। सीएमओ डॉ0 आलोक शर्मा ने आश्वासन दिया की समस्त स्वास्थ्य कर्मचारी अब स्वास्थ्य सेवक के रुप में अपनी सेवाऐं देंगे। उन्होंने यह भी कहा की हिन्दुस्तान विश्व में डायबिटीज और हाइपरटेंशन की राजधानी बन चुका है जिसमें लोगों की जांच कर पॉजीटिव पाये जान पर घर पर ही उनको उपचार मुहैया कराया जाएगा। इस मौके पर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आलोक शर्मा, चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह, भाजपा जिला मंत्री मंगली प्रसाद वर्मा,अमरिया सीएचसी प्रभारी अनिकेत गंगवार, थानाध्यक्ष अमित सिह, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं पुलिसबल मौजूद रहा।

कमरे की दीवार काटकर 10 लाख की चोरी से मचा हड़कंप, ज्वैलरी और नगदी पर हाथ साफ

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / अमरिया थाना क्षेत्र के गांव गोपाल नगर में एक घर की दीवार काटकर चोरी की घटना सामने आई है। बीती रात चोरों ने घर में घुसकर सोने के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय घर के सदस्य गहरी नींद में सो रहे थे। जिससे उन्हें चोरी का पता नहीं चला। सुबह जागने पर परिजनों ने घर का सामान बिखरा देखा, तब उन्हें वारदात की जानकारी हुई। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है पीड़ित गोपाल नगर निवासी तंजील अहमद ने अमरिया पुलिस को एक शिकायत दर्ज कराई है। जिसमें उन्होंने बताया कि बीती रात वह अपने परिवार के साथ सो रहे थे। सूचना मिलते ही अमरिया थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और ग्रामीणों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। हालांकि, चोरी किए गए सामान की सटीक कीमत का अनुमान अभी नहीं लगाया जा सका है। लेकिन पीड़ित पक्ष ने लाखों के आभूषण और नकदी चोरी होने का दावा किया है। घटना के बाद से गांव व आसपास के इलाके में भय और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि बीते कुछ दिनों से क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। जबकि पुलिस की गश्त और सतर्कता के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से नियमित गश्त बढ़ाने और चोरों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। अमरिया थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। इस चोरी की घटना ने पुलिस की चौकसी पर सवाल खड़े कर दिए हैं और स्थानीय लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है।

ब्लॉक प्रमुख एवं खंड विकास अधिकारी ने दिलाई स्वच्छता की शपथ स्वच्छता ही सेवा अभियान का आगाज़

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर विकासखंड अधिकारी और ब्लॉक प्रमुख ने श्रमदान के साथ विकासखंड परिसर से स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर विकासखंड अधिकारी अमरिया ने नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए अपील की कि स्वच्छ भारत निर्माण में सभी सक्रिय भूमिका निभाएं और सफाई को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। अमरिया विकासखंड के सभागार में कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छता शपथ के साथ की गयी। विकासखंड अधिकारी दिनेश सिंह ने उपस्थित सभी लोगों को अपने घर और मोहल्ले को स्वच्छ रखने के साथ समाज में स्वच्छता का संदेश फैलाने की शपथ दिलाई । ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह ने कहा स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि नागरिक जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि घर-घर और गली-गली स्वच्छता को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ायें। उन्होंने आम नागरिकों से अभियान में सहयोग करने की अपील की और बताया कि आने वाले दिनों में वार्ड स्तरीय सफाई अभियान, जन जागरूकता रैली तथा सामुदायिक सहभागिता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। जिसके बाद विकासखंड परिसर में सभी ने श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई की। स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान की औपचारिक शुरुआत हो गयी है। जो आने वाले पखवाड़े तक अमरिया क्षेत्र के हर कोने में चलाया जायेगा, और क्षेत्र को स्वच्छ बनाया जायेगा। इस अवसर पर विकासखंड अधिकारी दिनेश सिंह, ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह, भाजपा जिला मंत्री मंगली प्रसाद वर्मा, एडीओ पंचायत अतुल पाठक, ब्लॉक स्तरीय कर्मचारी, सफाईकर्मी, ग्राम प्रधान परमिंदर सिंह उर्फ प्रिंस, ग्राम विकास अधिकारी मानेंद्र सिंह गंगवार सहित अन्य लोग उपस्थित थे। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुरू हुआ 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' अब महज कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनआंदोलन का रूप लेता दिख रहा है। जहां स्वच्छता को त्योहारों और जीवनशैली से जोड़ते हुए नई सोच का संदेश दिया, वहीं सरकार ने इसे पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन से भी जोड़ा है। 2 अक्टूबर तक चलने वाला यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से एक स्वच्छ, हरित और स्वस्थ समाज गढ़ने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा।

सड़क हादसे के बाद आफत में पड़ी ट्रक चालक की जान, फायर ब्रिगेड का एमडीआरवी बना वरदान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीबीगंज में बुधवार सुबह सड़क हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर की जान आफत में पड़ गई। ट्रक बेकाबू होकर जेसीबी से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने से स्टीयरिंग और सीट के बीच में चालक बुरी तरह फंस गया। आनन-फानन में फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। हाल में प्राप्त हुए अत्याधुनिक एमडीआरवी (मल्टी डिजास्टर रिसपॉन्स व्हीकल) के जरिए राहत बचाव कार्य शुरू किया गया। जब जाकर चालक की जान बच सकी। पूरा मामला सीबीगंज थाना क्षेत्र स्थित दिल्ली-बरेली रोड का है। हाफिजगंज निवासी 50 वर्षीय ट्रक चालक इसरार अहमद दिल्ली की तरफ से ट्रक लेकर बरेली की ओर आ रहे थे। इतने में ट्रक सें संतुलन खो बैठे और ट्रक आगे खड़ी जेसीबी से टकरा गया। चालक इसरार ट्रक के स्टीयरिंग और सीट के बीच बुरी तरह फंस गए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मनु शर्मा ने बताया कि हाल ही मे कुंभ-2025 से बरेली को यह विशेष एमडीआरवी प्राप्त हुआ है, जो 67 अत्याधुनिक बचाव उपकरणों से लैस है। इनमें हाइड्रोलिक कटर, मल्टी-गैस टेस्टिंग डिवाइस, बैटरी से चलने वाला रेस्क्यू रैम, आधुनिक हाई-लिफ्ट जैक, प्राथमिक उपचार किट, उच्च क्षमता वाली रोशनी व्यवस्था और कई अन्य जरूरी उपकरण शामिल हैं। ये उपकरण सड़क दुर्घटनाओं, आगजनी, भवन ढहने, प्राकृतिक आपदाओं और पशु बचाव जैसी किसी भी आपात स्थिति में निपटने में कारगर है।

चंद्रशेखर आजाद ने सरकार को आड़े हाथों लिया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने बरेली में कहा कि यूपी विकास के रास्ते पर नहीं, विनाश के रास्ते पर चल रहा है। वाराणसी में जन्म के दो घंटे बाद नवजात और उसकी मां को अस्पताल से निकाल दिया गया। इस सरकार में संवेदनाएं खत्म हो चुकी हैं। मुसलमानों पर अत्याचार हो रहा है। कमजोर वर्ग के लोगों के अधिकारों को छीनने का काम किया जा रहा है। देश में नेपाल जैसे हालात हो रहे हैं। लोगों का सरकार से भरोसा उठ रहा है। बरेली में प्रबुद्धजन सम्मलेन को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि देश में सरकार कहती है हम चांद पर जा रहे हैं, जबकि हकीकत कुछ और है। जातिगत जनगणना में आर्थिक गणना भी की जाए। जातिगत जनगणना 1931 के बाद से संपूर्ण जनगणना नहीं हुई है। समय आ गया है कि धन धरती में बंटवारा होना चाहिए। मंडल कमीशन की सारी सिफारिशें लागू होनी चाहिए। कहा कि लगातार सरकारी विभागों को बेचा जा रहा है। सरकारी विभागों में नौकरियों खत्म की जा रही है। इस निकम्मी सरकारी व्यवस्था ने बेड़ियां डाल रखी है। उन्होंने कहा कि देश का एक बड़ा हिसा गांव में रहता है। इन सरकारों को गरीबों के खून से सनी दीवारें नहीं दिखाई देती है। चारों तरफ से किसानों की आफत आ गई। यूरिया की व्यवस्था भी सरकार नहीं करा पा रही है।

चांदनी बिहारपुर आईटीआई की बदहाली - तकनीकी शिक्षा के नाम पर मज़ाक, छात्रों का भविष्य अंधकार में

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर - सूरजपुर जिले के दूरस्थ एवं पहुंचविहीन क्षेत्र चांदनी बिहारपुर में संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) इन दिनों लापरवाही और बदइंतजामी का पर्याय बन चुका है। जिस संस्थान को युवाओं का भविष्य संवारने के लिए खोला गया था, आज वही संस्थान छात्रों की उम्मीदों को तोड़ रहा है। ना प्राचार्य, ना प्रैक्टिकल, ना पढ़ाई यहाँ पिछले एक वर्ष से प्रभारी प्राचार्य की नियुक्ति तक नहीं हुई है। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि प्रायोगिक कक्ष (प्रैक्टिकल क्लास) कभी शुरू ही नहीं हो पाए। जनवरी 2024 से कक्षाएँ औपचारिक रूप से शुरू तो की गईं, लेकिन वे भी न तो समय पर चलीं और न ही नियमित रहीं। छात्रों का कहना है कि बिना पढ़ाई और प्रैक्टिकल के परीक्षा में बैठना उनके साथ मज़ाक है। छात्रों का विरोध - परीक्षा फॉर्म भरने से इंकार स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि सत्र 2024-25 के छात्रों ने खुलेआम परीक्षा फॉर्म भरने से इंकार कर दिया है। उनका कहना है कि जब पूरे वर्ष पढ़ाई ही नहीं हुई और प्रैक्टिकल की सुविधा तक नहीं मिली, तो वे परीक्षा में आखिर लिखेंगे क्या? नए सत्र में भी वही हालात नए सत्र 2025-26 के लिए छात्रों का प्रवेश तो हो गया है, लेकिन हालात जस के तस हैं। न प्रभारी प्राचार्य का अता-पता है और न ही प्रैक्टिकल कक्ष शुरू हुए हैं। छात्रों का कहना है कि हर साल सिर्फ औपचारिकताएँ पूरी की जाती हैं, जबकि पढ़ाई और प्रशिक्षण ठप रहते हैं। शिकायतों पर भी चुप्पी छात्रों ने बार-बार विभागीय अधिकारियों को फोन कर समस्या बताई, लेकिन न तो अधिकारियों ने फोन उठाया और न ही कोई ठोस कदम उठाया। केवल आश्वासन दिया गया, जबकि ज़मीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं हुआ। ग्रामीणों और अभिभावकों का आक्रोश स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों ने भी संस्थान की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यह छात्रों के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ है। तकनीकी शिक्षा के नाम पर सिर्फ ढोंग किया जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र ही सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। छात्रों की मांगें तत्काल प्रभारी प्राचार्य की नियुक्ति हो प्रैक्टिकल कक्ष नियमित रूप से शुरू हों समयबद्ध और नियमपूर्वक कक्षाएँ संचालित हों लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर जैसे दूरस्थ क्षेत्र में आईटीआई की इस बदहाली ने यह साबित कर दिया है कि तकनीकी शिक्षा की योजनाएँ सिर्फ कागज़ों पर चल रही हैं। अगर शासन-प्रशासन ने अब भी ध्यान नहीं दिया, तो सैकड़ों छात्रों का भविष्य अंधकार में समा जाएगा और आईटीआई बिहारपुर युवाओं की उम्मीदों की कब्रगाह बनकर रह जाएगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पीड़ता ने लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/श्रावस्ती श्रावस्ती थाना क्षेत्र मल्हीपुर के अंतर्गत निरमा पुत्री ढौला निवासी बेलबरिया दाखिला ओदाही थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती ने पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि विनोद कुमार उर्फ पंजाबी पुत्र धनीराम निवासी बेलभरिया ने पीड़िता को बहला फुसला कर व दवा खिलाकर घर से भगाकर जम्मू कश्मीर स्थान राजौरी वहां पर कमरा लेकर रहने लगा । शादी का झांसा देकर बलात्कार करता रहा। पीड़िता ने विरोध किया तो कहा बाद मे हमारे घर के लोग जान पाएंगे तो छोड़ देंगे तो पंजाबी ने कहा कि इसकी चिंता मत करो मै तुमसे शादी कर लूंगा और पुरानी बीवी को छोड़ दूंगा। इसके बाद लाकर मेरी मायके में छोड़ गया अब मुझे अपने घर ले जाने से मना कर रहा है और नहीं ले जा रहा है। पीड़िता उसके साथ जाना चाहती है और यह नहीं ले जाना चाहते है तो वह मुझे अपनी औरत बनाकर अपने चल अचल संपत में एक बटा दो का हक दे । क्योंकि पंजाबी द्वारा मेरे साथ पूर्ण रूप से यौन शोषण किया गया है। इस संबंध में पीड़िता ने थाना मल्हीपुर में तहरीर देने के बाद कार्यवाही न होने पर पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग किया है।

काउंसलिंग के लिए बाराबंकी से आई एएनएम छात्रा के साथ वीडियो कॉल पर शिक्षक के द्वारा की गई अश्लीलता

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / अमरिया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एएनएम ट्रेनिंग सेंटर में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर मामला सामने आया है। जहाँ बाराबंकी से आई छात्रा ने एक शिक्षक पर नशे में वीडियो कॉल कर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। छात्रा के मामा ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर मामले में उचित कार्रवाई करने की मांग की है। छात्रा के मामा राकेश कुमार के अनुसार, कल शाम वह अपनी भांजी हेमा को काउंसलिंग के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरिया स्थित एएनएम ट्रेनिंग सेंटर पर पहुंचे।जब वह पहुंचे उसे समय ट्रेनिंग सेंटर बंद था और सारे कर्मचारी जा चुके थे। समय अधिक हो जाने के कारण उन्होंने अपनी भांजी से रात ट्रेनिंग सेंटर में ही बिताने की बात की। इसी बीच वहां मौजूद एक लड़की ने सेंटर में कार्यरत शिक्षक प्रमोद राठौर को कॉल करके बताया कि छात्र वहां रुकने की बात कर रही है। जिस पर शिक्षक ने वीडियो कॉल करने को कहा। वीडियो कॉल पर शिक्षक ने छात्रा के साथ अपशब्दों का प्रयोग किया। राकेश ने यह भी बताया कि शिक्षक पुरी तरह से शराब के नशे में धुत था इस कारण उसने ऐसी अभद्रता की। सूत्रों के मुताबिक, कई शिक्षक सरकारी आवास में ताला लगाकर चले जाते हैं। इससे छात्रावास और प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्था प्रभावित होती है। छात्राएं निगरानी के अभाव में परेशानियों का सामना कर रही हैं।पीड़िता का आरोप है कि शिक्षक प्रमोद ने रात में शराब पीकर उसे वीडियो कॉल किया। लगातार फोन से परेशान होकर छात्रा ने अन्य छात्राओं को बताया। स्थानीय लोगों के माध्यम से मामला पुलिस तक पहुंचा। अमरिया पुलिस ने पीड़िता से पूरी जानकारी ली है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक शर्मा ने दोषी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा के लिए निगरानी व्यवस्था को बेहतर किया जाएगा। साथ ही रहने-खाने की मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। समाजसेवी संगठनों ने दोषी स्टाफ के खिलाफ तुरंत कार्रवाई और छात्रावास में स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है। छात्राओं के अभिभावक भी अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिथरी चैनपुर में बुधवार को प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सरकार की सबसे महात्वाकांक्षी स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लाक प्रमुख ब्रजेश कुमारी के प्रतिनिधि हरेंद्र पटेल , डॉक्टर उत्तरा शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि श्री पटेल ने कहा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार कार्यक्रम के अंतर्गत सीएचसी का समस्त स्टाफ 17 सितंबर से गांधी जयंती तक इस अभियान के अंतर्गत मेले का आयोजन करेगा। ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।जिसमें सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस मौके एआरो धीरेंद्र सिंह,शिवानी,संगीता, शिवम् ताजुद्दीन , रमेश मणि त्रिपाठी संजय यादव, भागीरथ,सीमा, आशाएं , आशा संगिनी सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

न्यूरिया नगर पंचायत में साफ-सफाई व स्ट्रीट लाइट की बदहाल स्थिति

क्यूँ न लिखूँ सच / सूत्र / न्यूरिया नगर पंचायत क्षेत्र के मोहल्ला तिगरी बाईपास मार्ग पर सड़क किनारे कूड़े-कचरे के बड़े-बड़े ढेर लगे हुए हैं। साथ ही नालों पर उगी घास के कारण पानी का निकास बंद हो गया है।

नाले गंदगी से पूरी तरह भरे हुए हैं, लेकिन नगर पंचायत प्रशासन द्वारा न तो समय पर कूड़ा उठाने का कार्य किया जा रहा है और न ही नालों की सफाई की जा रही है। इस स्थिति के कारण मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ गया है। वहीं, वाइरल बुखार का प्रकोप चल रहा है, फिर भी नगर पंचायत द्वारा मच्छरनाशी दवा का स्प्रे नहीं

न्यूरिया नगर पंचायत मे घास से पटे नाले

कराया गया है। इसके चलते स्थानीय लोग शाम के समय घर से बाहर निकलने में असमर्थ हैं। सड़क किनारे लगे स्ट्रीट लाइटों की भी स्थिति खराब है। अधिकांश स्ट्रीट लाइट या तो बंद पड़ी हैं या पूरी तरह खराब हैं। कालोनी रोड पर आधे से अधिक लाइटें बंद हैं। इसी मार्ग पर स्थित एक मंदिर की लाइट भी लम्बे समय से खराब पड़ी है।नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी न तो रात के समय लाईटों का निरीक्षण करते हैं, न कूड़े व नालों की सफाई की स्थिति पर ध्यान देते हैं। अधिशाषी अधिकारी केवल सप्ताह में दो दिन ही आते हैं और स्थायी रूप से नगर में रहते नहीं हैं। इस अव्यवस्था से नगरवासियों को गंभीर स्वास्थ्य व सुरक्षा समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नगर पंचायत प्रशासन से शीघ्र सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता

बिजली पोलों से चोर तार उतार कर ले कर हुए फरार

क्यूँ न लिखूँ सच / बब्लू / चोर तार चोरी करके चार पहिया वाहन पर लाद कर जा रहे थे विद्युत कर्मियों ने पीछा कर पकड़ने का प्रयास किया चोर गाड़ी लेकर हुए फरार। न्यूरिया थाना क्षेत्र के ग्राम फुलहर मड़रिया बिजली पोलों से चोरों ने तार उतार कर गाड़ी में लाद कर हुए फरार जेई ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने में दी तहरीर। विभाग के जेई ने थाने में तहरीर देकर बताया कि मैं संजीव कुमार पुत्र श्री स्व ब्रहमादीन सुधाकर वर्तमान में 33/11चङ्क न्यूरिया पीलीभीत में अवर अभियंता के पद पर तैनात हूँ दिनांक 15/09/2025 विद्युत लाइन का तार फुलहर, मडरिया, एवं संडा गाँव के विधुत पोलों से अज्ञात चोरों ने तार चोरी कर लिया है। मुझे सूचना मिली कि 33/11 चङ्क विद्युत लाईन एवम ।चङ्क पास विद्युत तार कई पोलो से अज्ञात लोगो ने तार चोरी कर लिया मिली सूचना के आधार पर स्टाफ ने पेट्रोलिंग की पेट्रोलिंग के दौरान सविंदा कर्मी राम दास, सन्तोष साहनी, विपिन कुमार ने एक चार पहिया जिसका ÙOUKO{CA 4805 है। गाडी को विद्युत तार को ले जाते देखा जिसका उक्त स्टॉफ ने विथरा से आगे सेमपुर रेलवे क्रासिंग तक पीछा किया उसके बाद गाडी सेम पुर गाँव के तरफ. चली गई

और गाडी हाथ नहीं आई आई वाहन के न0 के आधार पर उक्त के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करने की कृपा करें। थानाप्रभारी सी ओ गयत्री यादव बताया कि विद्युत विभाग जेई संजीव कुमार के द्वारा थाने में तहरीर दी गई है तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है

संक्षिप्त समाचार

स्कूल में क्लासमेंट बच्चों ने एक बच्चे को जमकर पीटा बच्चा बुरी तरह हुआ घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / न्यूरिया थाना क्षेत्र के ग्राम औरिया में स्थित फ्यूचर इंटरनेशनल स्कूल में क्लासमेट बच्चों ने अपने ही क्लास के बच्चे को जमकर पीटा बच्चा बुरी तरह हुआ घायल पिता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। जानकारी अनुसार पीड़ित छात्रा के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि।स्कूल क्लास में कई बच्चों ने मिलकर मेरे अकेले पुत्र से मारपीट की। मेरा बच्चा चिराग राजपूत फ्यूचर इन्टरनेशनल स्कूल औरिया में 4ह्द्ध कक्षा का विद्यार्थी है। कल दिनाँक 16,9,20,25 को 12ः06 मिनट पर मेरे बच्चे को क्लास रूम में क्लास के सभी बच्चों ने मिलकर मेरे बेटे को पेट तथा पीठ पर लातों तथा घूंसो से बुरी तरह पीटा है जिसमे मेरे पुत्र के गंभीर अंदरूनी चोटें आई है। आप मेरे बच्चे का मेडिकल कराकर उचित कार्रवाई करने की कृपा करें। थाना प्रभारी सी ओ गयत्री यादव ने बताया कि पीड़ित छात्र के पिता की तहरीर के आधार पर बच्चे का मेडिकल कराकर जांच कराकर कार्रवाई की जायगी

डिप्रेशन के चलते गांव बिलहरी में 48 वर्षीय व्यक्ति ने लगाई फांसी

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम/ न्यूरिया पीलीभीत/ जानकारी के मुताबिक 307 का मुकदमा भी चल रहा था जिसमें अधिक डिप्रेशन होने के कारण ज्ञानेंद्र दिक्षित ने लगाई फांसी सुबह 6ः30 के टाइम लगाई

फांसी जिसकी वजह से हुई मृत्यु परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह घर से निकलने के बाद जंगल क्षेत्र मालिनकुईया किया क्षेत्र में फांसी तीन जवान बेटों के सर पर से उठा पिता का सैया डिप्रेशन होने के कारण लगाई फांसी पूरनपुर से पहुंचे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर के पोस्टमार्टम पीलीभीत के लिए भेज दिया मामला कोतवाली पूरनपुर गांव बिलहरी क्षेत्र मालिनकुईया जंगल का

किसानों को नहीं होगी उर्वरक की कमी - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / अंतर्जनपदीय व अंतराज्यीय आवागमन न होने पाए गठित किया निगरानी दल, पर्याप्त उर्वरक स्टॉक उपलब्ध जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि खरीफ वर्ष 2025 के दौरान जनपद के किसानों को उर्वरक की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। जनपद में पर्याप्त मात्रा में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी व सल्फेट ऑफ अमोनिया उपलब्ध है। किसानों को उनकी जोत के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा, किसी किसान को परेशान नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में जनपद में कुल 25,570 मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि उर्वरक वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी दल गठित किए गए हैं, जो समय-समय पर निरीक्षण कर रहे हैं। हाल ही में तीन विक्रेताओं के लाइसेंस भी निलंबित किए गए हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की समस्या होने पर कृषि विभाग के नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें। इसके लिए मोबाइल नम्बर 9648997791 उपलब्ध कराया गया है व कलेक्ट्रेट में स्थापित कंट्रोल नम्बर 05162-257090 पर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं, कंट्रोल रूम पर तीन शिफ्ट में कर्मचारियों व अधिकारियों की डियूटी लगाई गई है।जिलाधिकारी ने कहा कि शासन और प्रशासन किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी किसान को परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

ऑनलाइन टी शर्ट खरीदना पड़ा महंगा, ठगों ने खाता ही कर दिया साफ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में युवती ने ऑनलाइन एक टीशर्ट खरीदी। टीशर्ट की डिलीवरी घर पहुंचने से पहले एक महिला ने काल किया और झांसे में लेकर खाता साफ कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सुरेश शर्मा नगर निवासी सौम्या ने बताया कि उन्होंने नुवेरा कंपनी से टी शर्ट आर्डर की थी। टीशर्ट का भुगतान भी कर दिया था। 21 जुलाई को टीशर्ट की डिलीवरी होने वाली थी। इससे पहले उसके पास अंजान नंबर से एक महिला का काल आया।

महिला ने बताया कि वह नुवेरा कम्पनी से बोल रही है। उसने पार्सल होल्ड करने का झांसा देकर 999 रुपये ट्रांसफर करा लिए।

इसके बाद खाते से खुद ही 89,150 रुपये कट गए। इसकी शिकायत साइबर क्राइम पोर्टल पर की लेकिन कुछ नहीं हुआ। बारादरी थाने में एसएसपी के आदेश पर सौम्या की तरफ से रिपोर्ट दर्ज कराई गयी है।

जनपद पीलीभीत के ग्राम दियूनी मैं आज सुभाष आर्मी की हुई समीक्षा बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम/ न्यूरिया पीलीभीत/ सुभाष आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राणा प्रताप राठौड़ ने कहा हमारी पार्टी हमेशा गरीब लोगों के साथ खड़ी रहेगी हमारी पार्टी बिना भेदभाव के सबके लिए काम कर रही है राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि हमारा संगठन गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनने का काम कर रहा है उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से अपील की गांव गांव जाकर संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करें कार्यक्रम में मौजूद राष्ट्रीय प्रभारी जितेंद्र सैनी ने कहा हमारा संगठन जिले एवं प्रदेश में संगठित हो रहा है और हर नया युवा हमारे साथ जुड़ रहा है हमारा संगठन हक की लड़ाई लड़ेगा

किसी भी प्रकार का जनता के साथ अन्याय नहीं होने देंगे हमारा संगठन हर उस गरीब जनता के साथ खड़ा है आज इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय सुभाष आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह राठौड़ एवं राष्ट्रीय प्रभारी जितेंद्र सैनी भोले राम मिथुन इस्लाम शाह मोहम्मद वाजिद प्रेम राठौर धर्मेंद्र ताराचंद साजन लाल सहित समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे

पीलीभीत के कस्बा न्यूरिया के ग्राम बरी में युवक पर धारदार हथियार से हमला का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / मोहम्मद सलीम/ न्यूरिया पीलीभीत/ पीलीभीत में थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम बरी में एक युवक के गले पर चाकू से वार की घटना सामने आई है।

मंगलवार देर शाम को धर्मवीर को गले में चाकू लगने से गंभीर चोट आई। उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घायल धर्मवीर की पत्नी पुष्पा देवी ने परिवार के तीन सदस्यों पर हमले का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि परिवार में पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। दस दिन पहले भी मारपीट हुई थी। इस मामले में दूसरे पक्ष ने थाने में शिकायत की थी सोमवार को

पुलिस पुष्पा के घर गई थी। पति-पत्नी को थाने बुलाकर समझाया गया था। मंगलवार को भी दोनों थाने गए और बातचीत के बाद घर लौटे। पुष्पा का आरोप है कि घर लौटने के बाद धर्मवीर के ताऊ, तेहरे भाई और भाई के बेटे ने उसे गांव के बाहर आम के बाग के पास रोका। पहले मारपीट की और फिर धारदार हथियार से गले पर वार किया न्यूरिया की प्रभारी थानाध्यक्ष और अंडर ट्रेनी सीओ गायत्री यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि धर्मवीर ने शराब के नशे में खुद अपने गले पर वार किया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। फिलहाल धर्मवीर का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र न्यूरिया से जिला हॉस्पिटल रेफर कर दिया है

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर इंदिरा स्टेडियम में 15 दिवसीय भव्य चित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस अवसर पर आज इंदिरा स्टेडियम में सूचना विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 15 दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया गया। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और कृतित्व, न्यू इंडिया ञ्च2047 की परिकल्पना तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में क्रियान्वित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं, परियोजनाओं एवं उपलब्धियों को भव्य चित्रों और दस्तावेजों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविन्द चौहान, पूर्व विधायक नरेंद्र पाल सिंह जादौन तथा भाजपा जिला अध्यक्षा उर्विजा दीक्षित ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी के शुभारम्भ के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक, सामाजिक संगठन, व्यापारी व आमजन मौजूद रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के जीवनवृत्त और सरकार की उपलब्धियों को दर्शाते चित्रों का अवलोकन कर गहरी रुचि दिखाई। युवाओं में न्यू इंडिया ञ्च2047 के विजन को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रधानमंत्री के विजन और सरकार की उपलब्धियों को जनमानस तक पहुँचाने के लिए इसे सराहनीय पहल बताया। प्रदर्शनी प्रतिदिन आमजन के लिए खुली रहेगी, जहाँ नागरिक विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार पाण्डेय, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार, मुख्य कोषाधिकारी आनंद सिंह, आबकारी अधिकारी भूपेंद्र सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी राम अयोध्या प्रसाद, अधिशाषी अधिकारी राम अचल कुरील, अपर जिला सूचना अधिकारी पंकज तिवारी आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

महाविद्यालय में रजत जयंती समारोह पर भूतपूर्व छात्रों का सम्मेलन

क्यूँ न लिखूँ सच / छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयंती समारोह के तहत आज दिनांक 16/09/2025 को शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में सम्मलेन का आयोजन महाविद्यालय श्री कालीचरण कांशी , मंडल बिहारपुर के यादव व भुनेश्वर प्रताप महामंत्री लालमन सिंह उपस्थिति में माँ सरस्वती माल्यार्पण और दीप गया बैठक महाविद्यालय कार्यकरणी गठन, को लेकर रखी गई थी विद्याथियों का स्वागत

भूतपूर्व विद्यार्थियों का मुख्य अतिथि जनभागीदारी सदस्य विशिष्ट अतिथि भाजपा महामंत्री रामनारायण जायसवाल युवा मोर्चा की गरिमामयी की छायाचित्र पर प्रज्वलित कर किया के विज़न मिशन और अधोसंरचना विकास सर्वप्रथम सभी भूतपूर्व तिलक चन्दन लगाकर और पुष्पगुच्छ देकर वर्तमान विद्यार्थियों ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते ने सभी को मंच से स्वागत उद्धबोधन देते हुए उनके उपस्थित होने पर धन्यवाद दिया और महाविद्यालय के पूर्व की गौरवगाथा और वर्तमान अधोसंरचना और शिक्षा व्यवस्था से सभी को परिचित कराया और समिति के प्रारंभिक उद्देश्य को बताया व परिचित कराया तदोपरांत महाविद्यालय भूतपूर्व छात्र समिति के संयोजक धीरेन्द्र कुमार जायसवाल ने सभी को शुभकामनायें देते हुए समिति के कार्यप्रणाली की रुपरेखा रखते हुए उसके गठन को समझाया महाविद्यालय जनभागीदारी अध्यक्ष ने अपने विचार रखते हुए छात्र जीवन के अनुभव साझा किया भाजपा महामंत्री रामनारायण ने महाविद्यालय में स्नात्तकोत्तर कक्षाओं के खोलने और भूतपूर्व छात्र महाविद्यालय के अनमोल रतन है उनको महाविद्यालय से जुड़े रहने का विचार साझा किया भुनेश्वरप्रताप जायसवाल ने अपने पुराने शिक्षकीय दिनों को याद करते हुए अनुभव को बताया भूतपूर्व विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया और अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए भूतपूर्व छात्रा वंदना गुप्ता ने स्नातकोत्तर कक्षाओं के खोलने और विद्यार्थियों हेतु करियर गाइडेन्स और सन्दर्भ पुस्तक महाविद्यालय में हो उस पर विचार व्यक्त किया और प्राचार्य और संयोजक ने भूतपूर्व छात्रों की समिति की कार्यकारणी के गठन पर चर्चा और विचार विमर्श किया गया और अंत में सभी के लिए स्वल्पाहार आयोजित हुआ और सभी भूतपूर्व विद्यार्थी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें प्रेषित की गई इस आयोजन को सफल बनाने में मंच संचालन सचिन कुमार मिंज आतंरिक व्यवस्था पिंटू गुप्ता और बाहरी रखरखाव पर रामनिवास पटेल एवं हरिशंकर डहरिया ने महती भूमिका निभाई

सशस्त्र सीमा बल द्वारा विश्वकर्मा पूजा का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल/श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के एम.टी. पार्क में विश्वकर्मा पूजा का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक भगवान विश्वकर्मा की विधिवत परिसर में स्थित सभी वाहनों एवं सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में अमरेन्द्र वाहिनी की गरिमामयी उपस्थिति अधीनस्थ अधिकारीगण एवं अन्य लिया। विश्वकर्मा पूजा के अवसर

किया गया। इस अवसर पर पूजा-अर्चना की गई तथा वाहिनी अन्य उपकरणों की भी पूजा कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं रही। साथ ही अधिकारीगण, कार्मिकों ने भी श्रद्धापूर्वक भाग पर कमांडेंट ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृजन और निर्माण का देवता माना जाता है। इस प्रकार का आयोजन हमें परिश्रम, निष्ठा एवं समर्पण की भावना से कार्य करने की प्रेरणा देता है। पूजा-अर्चना एवं सामूहिक सहभागिता के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

20 अदद पाउच देशी शराब नजायज बण्टी बबली के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /शैलेंद्र कुमार पांडेय / पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा गोकश व गौ तस्कर के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत सघन चेकिंग मे व सत्यापन के समय सूचना के आधार गोकश रईस अहमद पुत्र छोटकउ निवासी जोत चांदपारा जनपद बहराइच बोरी में 20 बबली देशी साथ सिपहिया पुलिया के पास टीम गठित करके

अहमद पुत्र महराजगंज दा0 थाना हरदी के को एक सफेद पाउच बण्टी शराब नजायज के प्यूली नहर से बरामद हुई। अभियान को सफल बनाने हेतु दिये गये निर्देशों के क्रम में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय व अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) व क्षेत्राधिकारी महोदय महसी के निर्देशन में थानाध्यक्ष हरदी के कुशल नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 श्री गंगा यादव, उ0नि0 श्री राजेश कुमार सिंह, हे0का0 राजेन्द्र कुमार थाना हरदी जनपद बहराइच के द्वारा गोकश 1. रईस अहमद पुत्र छोटकउ निवासी महराजगंज दा0 जोत चांदपारा थाना हरदी जनपद बहराइच को एक सफेद बोरी में 20 पाउच बण्टी बबली देशी शराब नजायज के साथ सिपहिया प्यूली नहर पुलिया के पास से घेराबन्दी कर कारण गिरफ्तारी बताते हुए हिरासत पुलिस में लिया गया जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 344/2025 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर विधिक कर्यवाही की गयी ।

स्कूली बच्चे खिड़कियों में लटककर तय कर रहे सफर प्रशासन की अनदेखी के चलते बस चालकों व कंडक्टरों के हौसले बुलंद

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ जलालाबाद शामली सहारनपुर। जहां एक ओर शामली गंगोह डिपो से रोड़वेज बसो का संचालन कम हो गया है। वही प्राइवेट मिनी बसों ने इन मार्गो पर अपना कब्जा जमा लिया है। शामली-जलालाबाद- गंगोह मार्ग पर चलने वाली प्राइवेट बसों में अब मजबूरी वश स्कूली बच्चों को सफर तय करना पड़ रहा है। जबकि बस कंडक्टर चंद रूपयों के लालच में सवारियों को बस की छत पर व खिड़कियों में लटकाकर सफर तय करा रहे हैं। प्राप्त समाचार के अनुसार जलालाबाद- तीतरों - गंगोह मार्ग पर रोड़वेज बसों का संचालन कम होते ही प्राइवेट मिनी बसों का संचालन तेजी के साथ बढ़ गया। प्राइवेट मिनी

बस कंडक्टर जहां अपनी मनमर्जी के चलते व चंद रूपयों के लालच में बस में सवारियों को अधिक से अधिक भरकर सफर करा रहे हैं। और स्कूल के समय में इन प्राइवेट मिनी बसों में कम उम्र के स्कूली बच्चे खिड़कियों में लटककर मौत का सफर तय कर रहे हैं। बताया जाता है कि पहले भी कई बार इन प्राइवेट मिनी बसों में सवारियां अधिक भरे होने व ड्राइवरों में लगी एक दूसरे से आगे वाहन निकालने की होड़ में पलट चुकी है। जिसके बाद कुछ दिनों तक इन बसों में सवारियों को नियम के अनुसार बैठाने लगते हैं। कुछ समय बीतने के बाद फिर बस चालक व कंडक्टर द्वारा वहीं रवैया अखतियार कर लिया जाता है। सोचनीय पहलू यह है कि खिडकी पर लटकी सवारी बड़ा या छोटा स्कूली बच्चा उछलकर गिर गया या किसी अन्य प्रकार से हादसे का शिकार हो गया तो उसका जिम्मेदार आखिर कौन होगा? अब देखना यह होगा कि क्या प्रशासन इन खिड़कियों में लटकाकर मौत का सफर तय कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर पाएगा या नहीं? या फिर प्रशासन ऐसे ही मूकदर्शक बना किसी बड़े हादसे का इंतजार करता रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा कानपुर ग्रामीण ने चलाया सेवा पखवाड़ा एवं रक्तदान शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रद्युम्न कटियार /कानपुर - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिवस पर भारतीय जनता पार्टी कानपुर ग्रामीण ने आज सेवा पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रम की

अध्यक्षता जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने की, कार्यक्रम की शुरुआत मातृ शिला मंदिर में स्वच्छता अभियान से हुई। इसके बाद भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से मधुलोक हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें करीब 77 यूनिट रक्तदान कर कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री को सेवा-भेंट अर्पित की। इसी क्रम में जिलेभर में कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान चलाया और प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। साथ ही कई सामुदायिक केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविर लगाए गए, जिनमें लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य परामर्श, परीक्षण और दवाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम के दौरान मंडलों और सामुदायिक केंद्रों पर प्रधानमंत्री मोदी का लाइव कार्यक्रम बड़े उत्साह से देखा गया। जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने कहा, प्रधानमंत्री जी का जीवन सेवा और समर्पण को समर्पित है। उनके जन्मदिवस को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। इस मौके पर रक्तदान शिविर में कार्यकर्ताओ ने उत्साहपूर्ण भाग लिया जिसमे बिल्हौर विधानसभा से भी कई कार्यकर्ताओ ने भाग लिया जिसमे जय प्रकाश कटियार पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा, शिवम गौतम जिलापंचायत सदस्य राधन, मण्डल अध्यक्ष बिल्हौर ग्रामीण शुभ्राशु कटियार, प्रमोद द्विवेदी, आनंद कटियार, आकाश, रिंकू, अंशुल बाजपेयी, रमन समेत कई लोगो ने भाग लिया, इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिला प्रभारी राधेश्याम पांडेय सहित रवींद्र सिंह चौहान, गया प्रसाद सिंह, संतोष बाजपेई, समरजीत सिंह, अनिरुद्ध शुक्ल, सीमा मिश्रा, अंशुल बाजपेई, सौरभ त्रिवेदी, कार्तिकेय शुक्ल, भूपेंद्र सिंह और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर इंदिरा स्टेडियम में 15 दिवसीय भव्य चित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस अवसर पर आज इंदिरा स्टेडियम में सूचना विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 15 दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया गया। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और कृतित्व, न्यू इंडिया ञ2047 की परिकल्पना तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में क्रियान्वित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं, परियोजनाओं एवं उपलब्धियों को भव्य चित्रों और दस्तावेजों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर मा0 जिला पंचायत

अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविन्द चौहान, पूर्व विधायक नरेंद्र पाल सिंह जादौन तथा भाजपा जिला अध्यक्षा उर्विजा दीक्षित ने संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी के शुभारम्भ के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक, सामाजिक संगठन, व्यापारी व आमजन मौजूद रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के जीवनवृत्त और सरकार की उपलब्धियों को दर्शाते चित्रों का अवलोकन कर गहरी रुचि दिखाई। युवाओं में न्यू इंडिया ञ2047 के विजन को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रधानमंत्री के विजन और सरकार की उपलब्धियों को जनमानस तक पहुँचाने के लिए इसे सराहनीय पहल बताया। प्रदर्शनी प्रतिदिन आमजन के लिए खुली रहेगी, जहाँ नागरिक विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार पाण्डेय, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार, मुख्य कोषाधिकारी आनंद सिंह, आबकारी अधिकारी भूपेंद्र सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी राम अयोध्या प्रसाद, अधिशाषी अधिकारी राम अचल कुरील, अपर जिला सूचना अधिकारी पंकज तिवारी आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

वार्ड 14 में सड़क निर्माण कार्य से गूंजा तरक्की का स्वर, जनता का टूटा इंतजार आखिरकार हुआ पूरा

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ कांधला शामली कांधला ?नगर की गलियों से उठती धूल और गड्ढों से भरी सड़कों की तस्वीर अब बदल रही है। मोहल्ला गुजरान वार्ड नंबर 14 में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ केवल पत्थर और डामर बिछाने का काम नहीं है, बल्कि यह भरोसे, संघर्ष और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही की जीत है। वर्षों से उपेक्षित इस क्षेत्र की जनता ने आखिरकार राहत की सांस ली है। पालिका अध्यक्ष हाजी नजमूल इस्लाम और सभासद मुस्तफा जंग की मेहनत से यह सपना साकार हुआ। दोनों नेताओं ने न केवल मांग उठाई, बल्कि उसे हकीकत बनाने का साहस भी दिखाया।संदेश साफ है कांधला अब ठहरी हुई बस्ती नहीं, बल्कि बदलते नगर का प्रतीक है। नगर पालिका की सक्रियता और स्थानीय प्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता यह साबित

करती है कि अगर इच्छाशक्ति हो तो विकास केवल वादों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि हकीकत की ज़मीन पर उतरता है पालिका अध्यक्ष हाजी नजमूल इस्लाम का कहना है हर वार्ड में समान रूप से विकास होगा। यह हमारी जिम्मेदारी है कि जनता को बुनियादी सुविधाओं से वंचित न रहना पड़े वार्ड 14 के सभासद मुस्तफा जंग ने कहा की जनता की जीत करार दिया और कहा कि अब आने वाले दिनों में पूरा वार्ड एक नई तस्वीर पेश करेगा इस निर्माण कार्य का एक बड़ा राजनीतिक महत्व भी है। नगर पालिका की यह पहल सीधे तौर पर जनता के विश्वास को मजबूत करती है। स्थानीय निकाय की राजनीति में अक्सर उपेक्षा और वादाखिलाफी के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन यह काम बताता है कि सही नेतृत्व जनता के बीच भरोसा जगाने की ताकत रखता है।सामाजिक असर नई सड़क सिर्फ यातायात को आसान नहीं बनाएगी, बल्कि व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी गति देगी। बरसात में कीचड़ और गंदगी से जूझने वाले लोग अब राहत महसूस करेंगे। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इस बदलाव को अपने जीवन का हिस्सा मानेंगे। वार्ड 14 की सड़क सिर्फ डामर और गिट्टी की परत नहीं है, बल्कि यह उम्मीद की सड़क है। यह उस सोच का प्रतीक है जिसमें विकास अब भाषणों और घोषणाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हर गली, हर घर और हर नागरिक के जीवन को छुएगा। विकास इस बात का सबूत है कि जब नेतृत्व ईमानदार और जनता जागरूक हो, तो तरक्की रुक नहीं सकती।

कांधला पुलिस का बड़ा वार, बाइक लुटेरा मुठभेड़ में घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ कांधला (शामली) थाना कांधला पुलिस ने एक बार फिर अपराधियों की नींद उड़ाकर अपनी धाक जमाई। जिले में लगातार बढ़ रही बाइक लूट की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए एसपी शामली एन0पी0 सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और थाना प्रभारी निरीक्षक श्री सतीश कुमार के सख्त नेतृत्व में पुलिस टीम ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। ग्राम खन्द्रावली नहर पटरी पर हुई मुठभेड़ विशेष चेकिंग अभियान के दौरान संदिग्ध बाइक सवार शाहरुख को जब पुलिस ने रोका तो उसने पुलिस पर जानलेवा

फायर झोंक दिया। मगर बहादुर कांधला पुलिस पीछे हटने वाली नहीं थी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी को गोली मारकर घायल कर धर दबोचा बरामदगी में मिला 01 अवैध तमंचा मय 02 जिन्दा व 01 खोखा कारतूस (315 बोर) 01 बिना नम्बर प्लेट वाली स्प्लेंडर मोटर साईकिल पूछताछ में आरोपी ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया कि उसने 07 जुलाई 2025 को थाना थानाभवन क्षेत्र में राहगीर से तमंचे की नोक पर बाइक, मोबाइल व नकदी लूटी थी पुलिस टीम में शामिल रहे - प्रभारी निरीक्षक श्री सतीश कुमार उप निरीक्षक अजीत सिंह हैडकांस्टेबल रविन्द्र कुमार कांस्टेबल नितिन कुमार कांस्टेबल संजय कुमार.पुलिस अधीक्षक शामली एन0पी0 सिंह ने कांधला पुलिस टीम की इस कार्रवाई की खुलकर सराहना की और कहा कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। वहीं थाना प्रभारी सतीश कुमार की बहादुरी और तेज़ एक्शन की पूरे जिले में चर्चा है क्षेत्रवासियों की जुबानी कांधला पुलिस की सख्ती से अपराधियों में डर बैठ गया है।कोतवाल सतीश कुमार जी की टीम ने हम आम जनता को राहत की सांस दी है ऐसी पुलिस ही असली जनता की सुरक्षा का अहसास दिलाती है। कांधला पुलिस ने साफ संदेश दे दिया है अब शामली में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं, जनता की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता होगी

संक्षिप्त समाचार

रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर विधि विधान से किया गया पूजन

क्यूँ न लिखूँ सच /शैलेंद्र कुमार पांडेय / रिज़र्व पुलिस लाइन में शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पूजा-पाठ एवं हवन का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा

पुलिस लाइन स्थित शस्त्रागार में आयोजित पूजन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर विधिविधान से श्रद्धापूर्वक पूजन एवं हवन किया तथा शस्त्रों का भी पूजन किया गया । पूजन उपरांत पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा आरती की गई एवं सभी की कुशलता व कल्याण की भी प्रार्थना की गयी । इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) श्री रामानन्द कुशवाहा, पुलिस उपाधीक्षक श्री नारायण मिश्रा, प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कल त्यौथर में मुख्यमंत्री के आगवन पर कांग्रेस नेता कमांडो अरुण गौतम मुख्यमंत्री के समक्ष रखेगे 13 सूत्रीय मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रदीप कुमार तिवारी डिप्टी मैनेजर संपादक/ विधानसभा त्यौंथर में इस समय सुर्खियों में चल रहे बहुचर्चित लोकप्रिय चेहरा कमांडो अरुण गौतम के द्वारा 19 सितंबर को मुख्यमंत्री के त्यौथर आगवन पर विपक्ष के भूमिका पर

सवाल पूछा तो कांग्रेस नेता कमांडो अरुण गौतम ने सीधे तौर पर कहा मुख्यमंत्री सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के ही नहीं है वो हम सब के मुखिया है उनका हम सब त्यौथर कि धरती पर स्वागत करते है द्य त्यौथर विधानसभा क्षेत्र के लोगो को उम्मीद है की मुख्यमंत्री जी त्यौथर को जिला बनाने की घोषणा के साथ त्यौथर को कई और भी नए सौगात देंगे द्य कांग्रेस नेता कमांडो ने कहा कि मुख्यमंत्री के समक्ष 13 सूत्रीय मांग को हम रखेगे द्य

रालोद नेता का कनियान दौरा, खिलाड़ियों और ग्रामीणों से की सीधी बातचीत

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ कांधला शामली कांधला क्षेत्र के गांव कनियान में राष्ट्रीय लोकदल के युवा नेता राजन जावला का दौरा ग्रामीणों के लिए चर्चा का विषय बन गया। जावला सबसे पहले हाल ही में नवनिर्मित स्व. चौधरी अजीत सिंह इंडोर स्टेडियम पहुंचे,

जहां पर उन्होंने कबड्डी खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया। खिलाड़ियों ने भी नेता का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। राजन जावला ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि चौधरी अजीत सिंह जी हमेशा किसानों, मजदूरों और नौजवानों की आवाज रहे। उनका सपना था कि गांव का युवा शिक्षा और खेल दोनों में आगे बढ़े। हम सबको मिलकर इस सपने को साकार करना है। इसके बाद रालोद नेता ने गांव की गलियों में भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। लोगों ने बिजली, पानी, सड़क और बेरोजगारी जैसी स्थानीय समस्याओं को उनके सामने रखा। जावला ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और कहा कि रालोद सदैव किसानों और गांववासियों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी लड़ती रहेगी।गांववासियों ने राजन जावला के आगमन पर फूलमालाओं से स्वागत कर आभार जताया। ग्रामीणों का कहना था कि स्व. चौधरी अजीत सिंह के नाम पर बना यह इंडोर स्टेडियम गांव की नई पहचान बनेगा और यहां से निकलने वाले खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

The world's largest railway station built at a cost of 65 thousand crores, the size is equal to 170 football fields

Do you know where the world's largest railway station is? Let us tell you that it is not anywhere else but in Chongqing city of China. Yes, its name is Chongqing East Railway Station. This station is so huge that you will be surprised to see it. If it is compared to the famous Grand Central Terminal of New York, then it is five times bigger than that. This station is as big as 170 football fields. Rs 65,000 crore has been spent in building this station. It serves about 3.84 lakh passengers daily. As soon as we hear the name of the railway station, the picture of crowd, long queues and bustle of platforms emerges in our mind, but China has changed this picture in a new way. Chongqing East Railway Station built in Chongqing city is considered to be the largest railway station in the world today. It is no less than a wonder not only in size, but also in terms of its design and technology. How big is this station? Imagine, if the size of a railway station is as big as 170 football fields? This is Chongqing East station, which is spread over about 12.20 lakh square meters. In comparison, it is about five times bigger than the famous Grand Central Terminal of New York. While thousands of passengers travel there every day, 3.84 lakh people catch trains here every day. Design inspired by local culture The most special thing about Chongqing East is that its architecture is not only based on modern technology, but is also linked to the local identity. The huge pillars of the station look like Huangjue trees, which are the identity of Chongqing. The air conditioning units are designed like camellia flowers, which not only look beautiful but are also eco-friendly. The large glass panels installed in the roof bring in natural light, due to which the station always remains bright and airy. This three-storey complex has 15 platforms and 29 railway tracks, where passengers feel easy and comfortable despite the crowd. Taking care of every need of the passengers, this station is no less than a modern airport for the convenience of the passengers. About 16,000 passengers can be handled comfortably every hour here. Digital boards, multi-language help system and high-speed Wi-Fi are available. McDonald's, KFC as well as local Chongqing cuisine are also available for food and drinks. Facilities like comfortable seating arrangements, mobile charging stations, secure lockers and wheelchairs give every passenger an easy experience. Guards as well as biometric scanning technology have also been installed for security. Chongqing East Station, an important hub of China's high-speed rail, is a major hub of China's high-speed rail network. High-speed trains go from here to big cities like Beijing, Shanghai, Shenzhen and Guangzhou. Passengers take only 6-8 hours to reach their destination. The recently started Chongqing-Zhangjiajie train service has reduced the travel time by about two and a half hours. Also, this station is connected to the metro, which makes local travel very easy for the passengers. We usually consider the railway station a necessity for travel, but Chongqing East Railway Station has made it an experience. It not only gives better connectivity to the passengers, but also makes them feel comfortable, safe and modern. It can be said that this station is not just a symbol of China's engineering capability, but it also shows what the travel structure can be like in the future.

Gen Alpha's slangs become a headache for parents, even AI is unable to understand the secret codes of emojis

With time, people's speech has changed a lot. The biggest change has come in the dialect of Gen Alpha. Now they talk in the language of slangs and emojis which are very difficult for parents to understand (Gen Alpha Slang Decoding). Not only parents but also AI is finding it difficult to understand the meaning of these slangs and emojis. Gen Alpha likes to talk in slangs and emojis, their meaning is not easily understood by parents. Sometimes children also use these slangs and emojis to bully. In today's digital era, Gen Alpha (generation born after 2010) has created its own language on social media and gaming platforms. Slangs (Gen Alpha Slang) and emojis (Emoji Secret Code) are not just a means of fun for them, but many times they are also used to secretly humiliate or bully each other. Yes, many times on social media they also make such comments under each other's posts, which parents do not understand, but in the language of children they are demeaning or bullying each other. Difficulty of parents and AI The problem is that not only parents, but even Artificial Intelligence (AI) fails to understand the correct meaning of these slangs and emojis (AI Comprehension Gap). For children, this is a kind of secret code, which they catch immediately, while adults often get confused. You can understand dangerous slangs and their meaning with the help of some examples, like- "KYS"- Earlier it meant Know Yourself, but now children use it as Kill Yourself and it becomes difficult for parents to understand it. "Bop"- This word is used to defame a girl or question her character. Kidney Beans Emoji- An innocent looking emoji, but in Gen Alpha it has become the code for incel (a person who considers himself involuntarily celibate). Skull Emoji- Earlier it was used for a joke or something funny. Now if someone writes "You ate that up" and adds this emoji, it means making fun – "What a loser." During a research, it was found that Gen Alpha children recognize the dangerous meaning of slangs and emojis. On the other hand, parents are able to catch only one-third on an average. AI models also lagged far behind and even the best model was able to identify only 42% correctly. Why is this a matter of concern? Online Safety- When parents are unable to understand the language of children, they will not be able to catch the signs of bullying, online predation or depression in time. Rapidly changing codes- These slangs and emojis come and go quickly. What is popular today will disappear tomorrow and a new one will come. This is the reason why parents are always left behind. Way forward Experts believe that parents should stay updated about technology and children's language. Some apps and surveys are being created that can help parents understand new slangs and emojis. Overall, the digital language of Gen Alpha is not just fun or trendy, but there are hidden dangers in it. Children understand these codes immediately, but for parents and even AI, it is no less than "code breaking". Therefore, it is important that parents talk openly with children about this and try to understand their language, so that they can protect and help children from dangers like cyber-bullying.

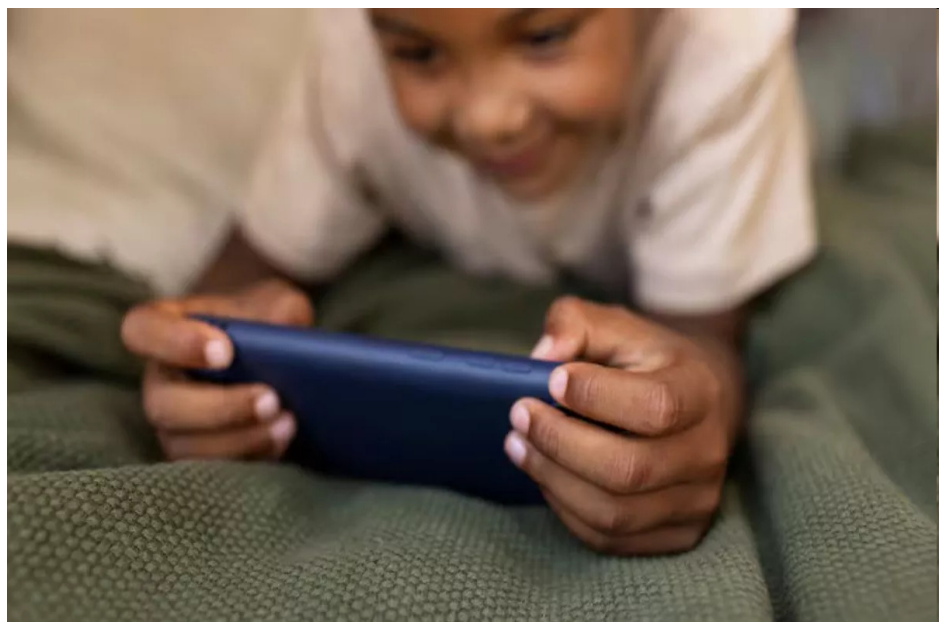

Pigeons can be the cause of lung disease, keep them away from your balcony with these 5 ways

Is there often terror of pigeons in your balcony? They spread dirt in the balcony with their droppings and feathers which can also harm health. Therefore, it is important to keep them away from your homes. Let's know some easy tips (Tips to Keep Pigeons Away) with the help of which you can keep pigeons away from the balcony. Pigeons often spread dirt in the balcony or make a nest. There is a risk of lung disease due to their feathers and droppings. You can keep pigeons away from the balcony with some easy ways. If your balcony is also often dirty with droppings or feathers of the pigeons or they have made a nest in a pot or any corner, then you are not alone facing this problem. Pigeons nesting on the balcony or cornice is a common problem. They not only spread dirt but can also be harmful for health. There is a risk of lung diseases due to their feathers and droppings, especially in children and the elderly. Therefore, it is better to keep them away from your balcony. However, there is no need to use expensive equipment or adopt cruel methods to drive them away. You can also keep pigeons away from the balcony with some simple methods. If your balcony is often dirty with pigeon droppings or feathers or they have made a nest in a pot or any corner, then you are not alone in this problem. Pigeons nesting on the balcony or cornice is a common problem. They not only spread dirt but can also be harmful to health. Their feathers and droppings pose a risk of lung diseases, especially in children and the elderly. Therefore, it is better to keep them away from your balcony. However, there is no need to use expensive equipment or adopt cruel methods to drive them away. You can also keep pigeons away from the balcony with some simple methods.

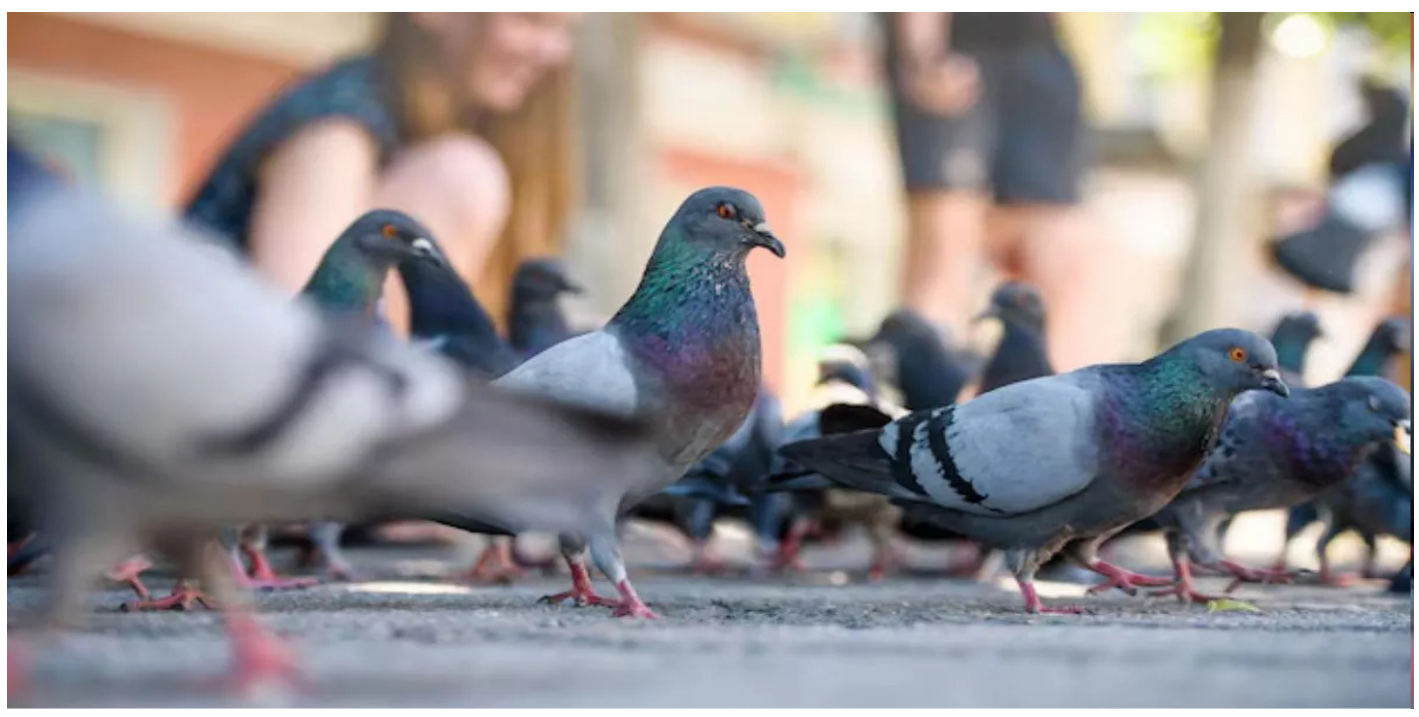

Coolie actor Upendra's family targeted by hackers, scammers made a strange demand

Upendra Phone Hack Kannada actor-director Upendra announced on his Instagram stories that a hacker may have hacked his and his wife Priyanka's phone. The actor has refused to give any kind of answer to the hacker while recently seen in Rajinikanth's Coolie. Coolie made this demand Actor gave information recently went viral with his powerful cameo fans that his phone has been hacked. Not along with him. He requested his fans not demand- The 'UI' director told people that the guise of an item delivery call. Both phones, after which their devices were the couple's followers demanding Rs money within a few hours. How were the received a message claiming that her order was being asked to call another number. their phones, after which their devices were media and refused to answer such on my wife Priyanka's phone, we dialed both our phones were hacked. Priyanka

informing his fans about this incident. Upendra was actor Upendra and his wife's phone hacked Scammer on social media Kannada actor-director Upendra in Rajinikanth's film 'Coolie'. Now recently he told his only this, his wife's phone also became a victim of hacking to reply to any kind of messages. Hacker made this his and his wife Priyanka's phones were hacked under Priyanka and Upendra tried to make a call from their tampered with. The hackers allegedly sent messages to 22,000 via UPI transfer and promised to return the phones hacked- The incident happened when Priyanka was not being delivered due to some problem and she Both Priyanka and Upendra tried to make a call from hacked. After this hacking, Upendra went live on social fraudulent calls or messages to people. A message came from Priyanka's phone and then from my phone too, made this appeal to the people- Upendra's wife Priyanka appealed to the fans and said, 'My and Uppi's phone has been hacked. Some people are asking for money through UPI. We appeal to everyone not to send any money. We are not doing this'. The couple has lodged a complaint with the police. Upendra is known for films like Mukunda Murari, Upendra Matte Ba, I Love You, Home Minister. Priyanka has appeared in Tamil and Bengali films as well as Kannada films. She played the lead role in the Kannada film Gauri (2024).

This romantic song is winning the hearts of Gen-Z, the tune resonates from party to playlist

Old songs have their own importance in Bollywood, but some songs go straight to the heart. Nowadays a romantic song is very much in discussion. There is a craze for this song on Instagram and YouTube where it has got and relaxing feeling. This romantic song tune of the song resonates from party to among Bollywood lovers, but there are people. In recent times, a song has become in people's playlists from parties and it has about this song in detail. Be it Instagram from reels to videos. The special thing is released film Saiyara. The song is a few dance. What is the specialty of this song? Chand Baliyan Aur Hothon Pe Yeh hearts of the youth. The melody, romantic not just a song but a feeling. Chances are this song give a relaxing feeling and after Perhaps this is the reason why it has and young couples imagine their love or have been received on YouTube - Hothon Pe Yeh Gaaliyan, let us tell you that Its craze is also being seen among music of users on Instagram have made reels and

millions of views. This song gives the youth a romantic created a stir, got 78 million views on YouTube - The every event. Some old songs are often mentioned select songs that go straight to the hearts of the a favorite of the people. Its name is definitely found got millions of views on YouTube so far. Let's know or YouTube, these days a song is being heard a lot that it is romantic, but it is not from the recently years old, but its lyrics are still forcing people to The song we are referring to here is named 'Ye Teri Gaaliyan', which has made a special place in the lyrics and refreshing vibes of this song have made it that you too must have heard this song. The lyrics of listening to it, a smile definitely comes on the face. become a favorite song of the Gen-Z audience as well partner after listening to it. So many million views Regarding the song Yeh Teri Chand Baliyan Aur this song has got 78 million views on YouTube alone. lovers on the music platform. Not only this, thousands short videos using this song. The special thing is that the stars of the film world have also uploaded the video of this song in the story and post of their social media platform. Its name remains at the top in the list of those who are fond of listening to romantic songs. The special thing is that its tune is heard in every event from parties to every other event.

Salman Khan's 22 year old film was a silver jubilee, it earned 2.5 times profit in a budget of 10 crores

Salman Khan is that actor of Hindi cinema who knows very well how to give films that make a huge collection at the box office. One such blockbuster film was released in theatres 22 years ago which became a silver jubilee in the was that. Salman Khan's cult movie did on the big screen. It earned a lot of is one of the mega superstars of force to reckon with as an actor in Hindi lot through one great movie after film, Salman Khan's cult classic film, a silver jubilee. That movie left such an made a huge profit in a budget of 10 discussed here. Salman Khan's Silver being discussed here saved Bhaijaan's was struggling with controversies and Kaushik's movie Tere Naam worked as 2003 and the magic of this movie such an extent that the shows of Tere consecutive weeks. In this way, Tere was a tremendous craze among the fans people following the trend of Salman's Tere Naam is included in the list of Radhe Mohan is considered to be the wonderful and emotional love story cast of the movie was also very popular. Chawla, Ravi Kishan, Sarfaraz Khan,

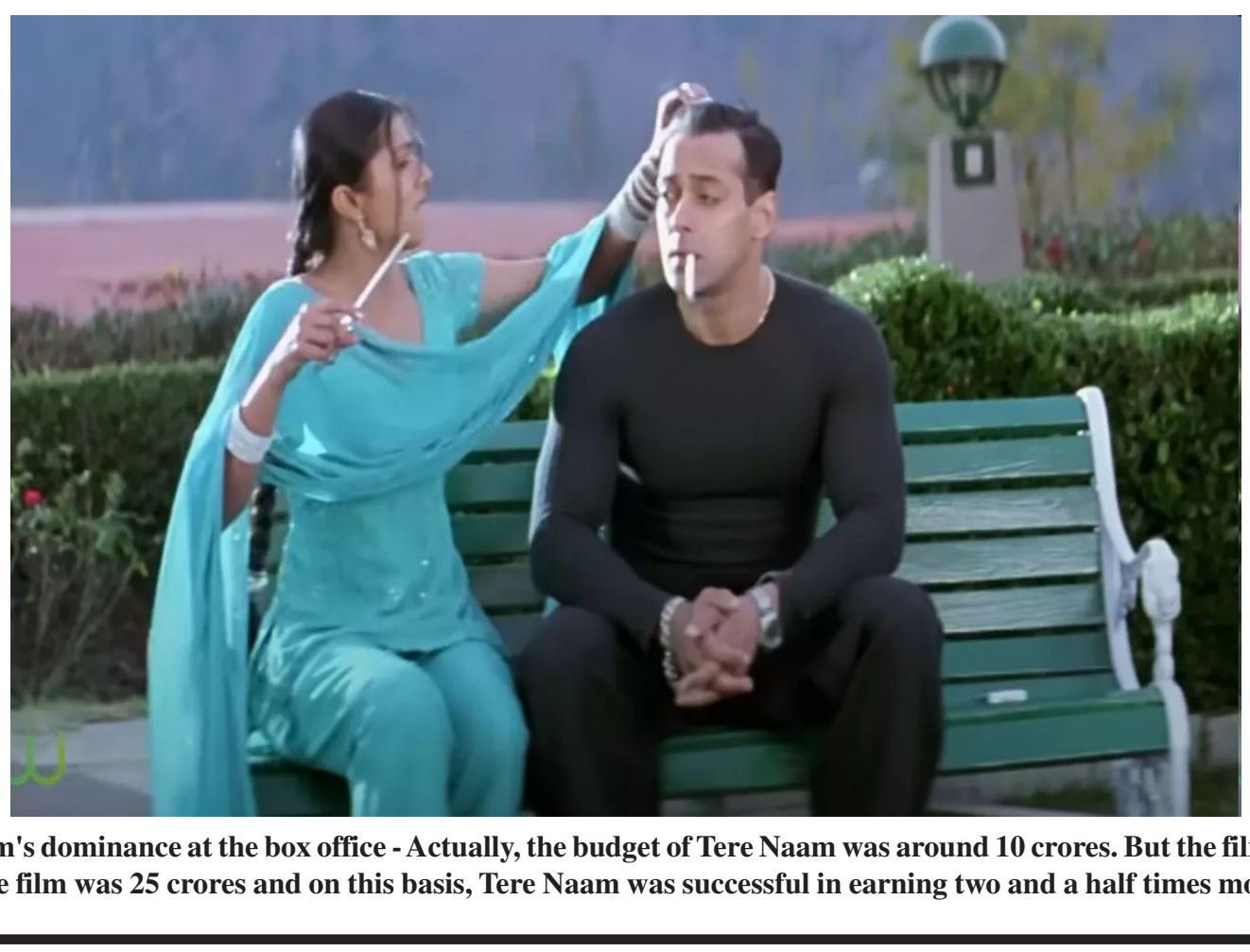

history of Bollywood. Let's know which movie wonders. 22 years ago it created a lot of buzz money in a budget of 10 crores. Salman Khan Bollywood. From the 90s till now, he has been a cinema. Salman has entertained the audience a another in his 37 years of acting career. One such was released 22 years ago, which proved to be impression at the box office that the makers crores. Let's know which movie is being Jubilee Film The Salman Khan movie that is career. It was the time when Salman's career crisis. During that time, director Satish a lifesaver. Tere Naam was released in the year worked on the hearts and minds of the fans to Naam kept running in the theatres for 25 Naam proved to be a silver jubilee movie. There about the movie. Especially the number of hairstyle started increasing rapidly. Even today, Salman's best movies. Sallu Bhai's character of first choice of every millennial. The film's touched everyone's heart. Apart from this, the Apart from Salman, actors like Bhumika Indra Krishna and Indu Verma played important roles in Tere Naam. Tere Naam's dominance at the box office - Actually, the budget of Tere Naam was around 10 crores. But the film made a strong claim at the box office in terms of earnings. The lifetime collection of the film was 25 crores and on this basis, Tere Naam was successful in earning two and a half times more profit than its cost.